सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

जीत के बाद भावुक होकर विराट बोले........ -पेजः 7

एट्रेस नहीं बनना चाहती थीं रश्मिका मंदाना.... -पेजः 8

वर्षः 01 | अंकः 57 | गुरुवार 05 जून 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 4 रुपए

राहुल गांधी के बयान पर गरमाई राजनीति, कांग्रेस ने कहा मोदी इज इंडिया की सोच लोकतंत्र के खिलाफ

नई दिल्ली (एजेंसी): कांग्रेस ने राहुल गांधी के बयान को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हमले के बाद बुधवार को पलटवार किया और कहा कि सत्तापक्ष की यह सोच गलत है कि ह्यह्यनरेन्द्र मोदी भारत हैं और भारत नरेन्द्र मोदी है।'' पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यह दावा भी किया कि मौजूदा सरकार की विदेश नीति ह्यसरेंडर नीति' बन गई है। भाजपा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में सरेंडर'' (आत्मसर्मण) संबंधी टिप्पणी कर सशस्त्र बलों का अपमान करने का बुधवार को आरोप लगाया और कहा कि यह ह्यऑपरेशन सिंदूर' की सफलता को कमतर आंकने के समान है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस नेता ने पड़ोसी देश के समर्थन में बोलने के मामले में पाकिस्तानी सेना प्रमुख, उसके प्रधानमंत्री और वहां के आतंकवादी सरगनाओं को भी पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के कटाक्ष

कांग्रेस ने राहुल गांधी के बयान को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हमले के बाद बुधवार को पलटवार किया और कहा कि सत्तापक्ष की यह सोच गलत है कि नरेन्द्र मोदी भारत हैं और भारत नरेन्द्र मोदी है।' पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यह दावा...

एक बीमार और खतरनाक मानसिकता'' को दशार्ते हैं। खेड़ा ने संवाददाताओं से बातचीत में भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा,भाजपा के लोग पिछले 11 साल से मुकद्दर का सिकंदर' फिल्म बना रहे थे, लेकिन जब फिल्म बनकर तैयार हुई तो वह निकली नरेंदर का सरेंडर'।'' उन्होंने दावा किया, बहादुरी का कोई इंजेक्शन नहीं होता, बल्कि वह इंसान के चरित्र में होती है। भाजपा-आरएसएस के लोगों का इतिहास ही कायरता का रहा है। जब ऐसा व्यक्ति देश की बागडोर संभालता है तो देश का भविष्य खतरे में आ जाता है, जो हम वर्तमान में देख भी रहे हैं।'' खेड़ा ने कहा, जब बहादुर भारतीय सेना ने पाकिस्तान की गर्दन दबोच रखी थी, तभी ट्रंप का एक फोन आया और नरेन्द्र मोदी सरेंडर' कर गए। ट्रंप ने कई बार कहा कि हमने व्यापार की धमकी देकर सीजफायर कराया, लेकिन नरेंद्र मोदी ने आज तक ट्रंप का जवाब नहीं दिया। ये जवाब देंगे भी नहीं, क्योंकि नाम नरेन्द्र, काम सरेंडर', यह असलियत है।'' उन्होंने भाजपा पर पलटवार करते हुए कहा, जो लोग कह रहे हैं कि नरेन्द्र मोदी के सरेंडर का मतलब है, भारत का सरेंडर करना... वो ठीक से समझ लें, यह देश 140 करोड़ लोगों का है, ये सबका उतना ही है, जितना नरेन्द्र मोदी का है। खेड़ा ने कहा, यह सोच गलत है कि ह्यमोदी इज इंडिया', इंडिया इज नरेन्द्र मोदी' (नरेन्द्र मोदी भारत हैं और भारत नरेन्द्र मोदी है)'' उन्होंने कहा, हम पिछले एक महीने से पूछ रहे हैं कि देश के आत्मसम्मान के साथ यह सौदा क्यों हुआ, संघर्षविराम आखिर किन शर्तों पर किया गया और हाफिज सईद, अजहर मसूद जैसे आतंकी कहां हैं?'' लेकिन हमें पिछले एक महीने से जवाबों की जगह सिर्फ सस्ते डायलॉग सुनने को मिल रहे हैं।'' कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि यह देश और सेना मजबूत हैं, लेकिन प्रधानमंत्री और उनकी सरकार कायर'' हैं। खेड़ा ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी के 11 साल के कार्यकाल में हर बार उनका सरेंडर' ही देखने को मिला है। उन्होंने कहा, वह कहते थे कि काला धन लाएंगे, बेरोजगारी हटाएंगे, किसानों की आमदनी दोगुनी कर देंगे

हरियाणा सरकार का एससी कर्मचारियों के हित में बड़ा फैसला, मिलेगा ये लाभ

चंडीगढ़ः हरियाणा सरकार ने अनुसूचित जाति (एससी) के कर्मचारियों की शिकायतों के समाधान के लिए एक आंतरिक शिकायत निवारण समिति गठित की है। यह समिति हरियाणा सिविल सचिवालय में आईएएस अधिकारी श्री विजयेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में काम करेगी। समिति का मुख्य उद्देश्य एससी कर्मचारियों की रोजगार, सेवा और सुरक्षा से जुड़ी शिकायतों की सुनवाई करना है। समिति में आईएएस अधिकारी विजय सिंह दहिया, सुशील सारवान, प्रदीप दहिया और एचसीएस अधिकारी वर्षा खंगवाल सदस्य होंगे। यह समिति आरक्षण रोस्टर के उल्लंघन, पदोन्नति में भेदभाव, नियुक्ति, सेवा से बर्खास्तगी, स्थानांतरण, पेंशन लाभों से इंकार, वेतन बकाया जैसे मामलों की जांच करेगी। शिकायत की सत्यता जांचकर समिति अपनी रिपोर्ट एक महीने के भीतर संगठन प्रमुख को सौंपेगी और शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करेगी। समिति के अध्यक्ष और सदस्य तीन वर्ष की अवधि के लिए पदासीन होंगे और उन्हें कार्यवाही के लिए कोई फीस या भत्ते नहीं दिए जाएंगे।यह कदम राष्ट्रीय अनुसूचित आयोग की सिफारिश के अनुरूप हरियाणा सरकार द्वारा उठाया गया है, जिससे एससी कर्मचारियों के अधिकारों की बेहतर रक्षा हो सके।

दिल्ली में अब इन लोगों पर दर्ज होगा मुकदमा, सीएम रेखा गुप्ता का सख्त आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी): मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अधिकारियों को झुग्गी तोड़ने को लेकर भ्रम फैलाने वालों के विरुद्ध एफआइआ दर्ज करने का निर्देश दिया है। उन्होंने अवैध निर्माण के खिलाफ चल रही कार्रवाई को लेकर दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डूसिब), लोक निर्माण विभाग (पीडब्लूडी), दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), दिल्ली नगर निगम निगम और जल बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। कहा, सरकार ने यह स्पष्ट किया है कि पक्का मकान देने के बाद ही झुग्गी तोड़ी जाएगी। इसके बाद भी कुछ लोग झुग्गी तोड़ने को लेकर भ्रम फैला रहे हैं। ऐसे लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई आवश्यक है। बैठक में मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को झुग्गी बस्तियों में सीवर, जल निकासी,

पेयजल, सड़क, स्ट्रीट लाइट, सामुदायिक शौचालय और कचरा प्रबंधन जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। कहा कि हमारी सरकार ने झुग्गियों में बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने के लिए 700 करोड़ का बजट आवंटित किया है। झुग्गीवासियों को सम्मान के साथ जीने का अधिकार है। सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार जिम्मेदारी है। सरकार का उद्देश्य सिर्फ पुनर्विकास नहीं, बल्कि जीवन स्तर में सुधार है। दिल्ली की सभी झुग्गी बस्तियों का पुनर्विकास चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा। झुग्गियों से संबंधित कोई भी कार्य करने से पहले सरकार को सूचना देना अनिवार्य है। जिनका पुनर्वास किया गया है, वहां पर बिजली-पानी आदि की व्यवस्था का भी ध्यान रखा जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी विभाग मिलकर एकीकृत कार्ययोजना तैयार करें ताकि झुग्गी क्षेत्रों में विकास कार्य तेजी से और प्रभावी ढंग से हो सके। जिन स्ट्रीट वेंडरों के पास प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के कागजात हैं। उन्हें वैकल्पिक स्थल की व्यवस्था करने को भी कहा। बैठक में अधिकारियों ने कहा, अतिक्रमण के कारण यातायात व लोगों की आवाजाही बाधित होने वाले स्थानों पर कार्रवाई की जा रही है।

'पाकिस्तान अब सौ बार सोचेगा... पाकिस्तान ने खुद बताया भारत ने किया कितना नुकसान, बीजेपी ने खोल दी पोल

नई दिल्ली (एजेंसी): पाकिस्तान की एक डोजियर रिपोर्ट के सामने आने के बाद भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता तुहीन ए. सिन्हा ने कहा कि पाकिस्तान की अपनी रिपोर्ट भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत गहरे और व्यापक हमलों की पुष्टि करती है जो कि आधिकारिक रूप से स्वीकार किए गए दावों से परे है। यह डोजियर पाकिस्तान के पहले के दावों का खंडन करता है कि उसने भारत को भारी नुकसान पहुंचाया है। इसके बजाय पाकिस्तान की धरती पर हुए नुकसान की गंभीरता को उजागर करता है। उन्होंने कहा, "अब हम इसे कैसे समझें? यह एक अजीब स्थिति है। पाकिस्तान आदतन झूठ बोलता है। लेकिन अगर वे इस बार सच बोल रहे हैं, तो यह भारत की

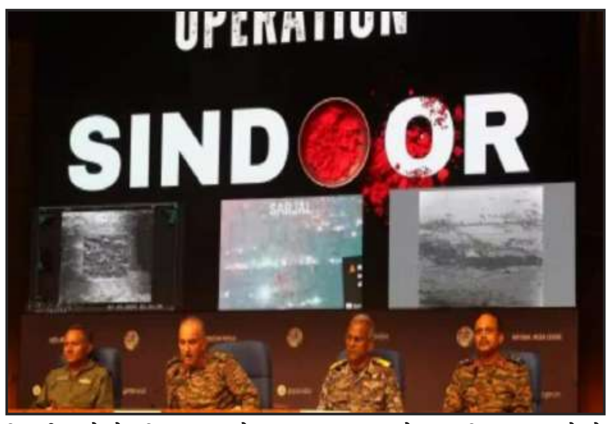

विपक्षी दलों के लिए एक जोरदार जवाब होना चाहिए, जो लगातार सरकार और हमारी सशस्त्र सेनाओं पर सवाल उठाते हैं।" यह भारत की सैन्य क्षमताओं की ताकत का प्रमाण है। जो नुकसान हमने पहुंचाया है, वह शायद हमारे द्वारा किए गए दावों से भी अधिक हो सकता है और पाकिस्तान इतनी गहरी चोट, निराशा और पीड़ा में है कि वह भारत के खिलाफ फिर से आवाज उठाने से पहले सौ बार सोचेगा। पाकिस्तान के किन शहरों पर भारत ने किया था कार्रवाई सिन्हा का यह बयान तब आया है जब एक मीडिया आउटलेट ने पाकिस्तान के आंतरिक सैन्य आपरेशन "बुनियान उन मारसूज" पर एक गोपनीय डोजियर प्राप्त किया। इस डोजियर में शामिल मानचित्रों से पता चलता है कि हमले प्रमुख शहरों जैसे पेशावर, झांग, हैदराबाद (सिंध), गुजरात, गुज्रांवाला, बहावलनगर, अटोक और छोर में किए गए जिनका उल्लेख आधिकारिक भारतीय ब्रीफिंग में नहीं किया गया था। ये नए विवरण ऑपरेशन सिंदूर के पैमाने पर नई रोशनी डालते हैं और पाकिस्तान की तत्काल संघर्ष विराम की मांग के पीछे एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में देखे जा रहे हैं।

गुरुद्वारे की जमीन को वक्फ बोर्ड ने बताई अपनी संपत्ति, सुप्रीम कोर्ट पहुंचा मामला

नई दिल्ली (एजेंसी): दिल्ली के शाहदरा स्थित एक गुरुद्वारे की जमीन को वक्फ भूमि बताते हुए एक याचिका सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई। दिल्ली वक्फ बोर्ड का दावा था कि शाहदरा में जिस जमीन पर गुरुद्वारा बना हुआ है, वह वक्फ की जमीन है और आजादी से पहले वहां एक मस्जिद थी। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ बोर्ड की याचिका को खारिज कर दिया और कहा कि गुरुद्वारा कई दशकों से वहां पर है, इसलिए वक्फ बोर्ड को पीछे हट जाना चाहिए। इसके पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने भी वक्फ बोर्ड की याचिका को खारिज कर दिया था। शाहदरा इलाके में स्थित है गुरुद्वारा ये पूरा मामला शाहदरा स्थित गुरुद्वारे की जमीन से जुड़ा है। इसे वक्फ की संपत्ति बताते हुए दिल्ली वक्फ बोर्ड ने वहां मस्जिद होने का दावा किया था। बोर्ड की तरफ से पेश हुए वकील संजय घोष ने कहा कि निचली अदालतों में मस्जिद होने के

दावे को स्वीकार किया था। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इस मांग को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि जब गुरुद्वारा वहां अच्छी तरह संचालित हो रहा है, तो उसे रहने दें। एक धार्मिक संरचना पहले से चल रही है, इसलिए वक्फ बोर्ड को खुद पीछे हट जाना चाहिए। जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि आपको खुद ही दावे को छोड़ देना चाहिए। 2010 में वक्फ बोर्ड की याचिका को दिल्ली हाई कोर्ट ने भी खारिज कर दिया था, जिसके बाद बोर्ड ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। याचिका में कहा गया था कि वहां मस्जिद तकिया बब्बर शाह स्थित थी और जमीन वक्फ को दी गई थी। हालांकि प्रतिवादी का तर्क था कि संपत्ति वक्फ की नहीं रह गई, क्योंकि उसके तत्कालीन मालिक मोहम्मद अहसान ने इसे 1953 में बेच दिया था।

'हम क्यों शंकराचार्य बने हैं ?', राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा पर भड़के अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती

अयोध्या (एजेंसी): भगवान राम की नगरी अयोध्या में दूसरी बार प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन चल रहा है। यह कार्यक्रम 3 जून से लेकर 5 जून तक चलेगा। पिछले साल की तरह एक बार फिर से राम नगरी भव्य, दिव्य दिखाई दे रहा है। मुख्य प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान 3 जून सुबह 6:30 बजे से शुरू हो चुका है। वहीं, राम नगरी में हो रहे इस कार्यक्रम की वजह से शंकाराचार्य अविमुक्तेश्ववरानंद काफी नाराज दिखाई दे रहे हैं। आपको बता दें कि फिर से प्राण प्रतिष्ठा करने को लेकर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्राण प्रतिष्ठा तो हो चुकी है। अब क्या ? इसका मतलब है कि पहली प्रतिष्ठा गलत थी। अब शिखर बनने के बाद प्रतिष्ठा हो रही है।आपने जो कुछ भी किया वो गलत था, फिर से वहां जो शिखर प्रतिष्ठा आदि कार्यक्रम होंगे वो इस बात को प्रमाणित करेंगे कि पहले जो प्रतिष्ठा हुई वो धर्म - शास्त्र के विरुद्ध थी, हिंदू धर्म के विरुद्ध थी। धर्म में सरकार हस्तक्षेप कर रही

है- शंकराचार्य इतना ही नहीं इस कार्यक्रम से नाराज शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि धर्मनिरपेक्ष सरकारों का धार्मिक जगहों में क्या काम है। आप हिंदू धर्म के धर्म स्थलों पर ही हस्तक्षेप क्यों करते हैं। हमारे हिन्दू धर्म के धार्मिक स्थान में आने की क्या जरूरत है। आप किसी दूसरे धर्म पर ऐसा क्यों नहीं करते हैं। आप हमारे मंदिरों के साथ कॉरिडोर शब्द क्यों जोड़ रहे हैं। कॉरिडोर अंग्रेजी का शब्द ह।. हमारे धर्म में सरकार हस्तक्षेप कर रही है, जिसका विरोध हम कर रहे हैं। हम क्यों शंकराचार्य बने हैं ?' उनका कहना है कि

भगवान राम की नगरी अयोध्या में दूसरी बार प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन चल रहा है। यह कार्यक्रम 3 जून से लेकर 5 जून तक चलेगा। पिछले साल की तरह एक बार फिर से राम नगरी भव्य, दिव्य दिखाई दे रहा है। मुख्य प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान 3 जून सुबह 6:30 बजे से शुरू...

अगर कुछ ठीक करना है तो आप हमें बताइए हम क्यों शंकराचार्य बने हैं. जिन जगहो पर सरकारों ने ट्रस्ट बनवाया है, वहां क्या हो रहा है। जिन -जिन धार्मिक स्थलों को सरकार ने अपने हाथों में लिया है वहां आपने धार्मिक आस्था को चोट पहुंचाई है और हिन्दू धर्म के विरुद्ध काम होता है। हम ये नहीं चाहते हैं कि बांके बिहारी में सरकार कोई ट्रस्ट बनाए।

पीएम मोदी पर राहुल गांधी की टिप्पणी पर भड़के सीएम मोहन ! पूछा- आखिर वह परिपक्व कब होंगे ?

भोपाल (एजेंसी): मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर पलटवार करते हुए जमकर घेरा है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि संगठन सृजन से पहले अपनी बुद्धि का सृजन करें राहुल गांधी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर उनके द्वारा दिए गए वक्तव्य पर माफी मांगे। गौरतलब है मंगलवार को राहुल गांधी कांग्रेस पार्टी के संगठन सृजन कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे थे, इस दौरान उन्होंने भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर अमर्यादित भाषा में वक्तव्य दिया था। डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस की जड़ जमाने के लिए और कांग्रेस की ताकत के लिए, संगठन सृजन के लिए राहुल गांधी

आये थे। लेकिन इस दौरान उन्होंने अपने और पार्टी के संस्कारों का अमर्यादित परिचय दिया है। उन्होंने राहुल गांधी के द्वारा जूते पहनकर पुष्पांजलि करने को लेकर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि ये बात किस तरह

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर पलटवार करते हुए जमकर घेरा है...

से बताएंगे कि भारतीय जड़ों से जुड़कर संस्कार कैसे होते हैं? अपने से बड़ों की पुष्पांजलि करना है तो जूते उतारना रहते हैं, विनम्रता से प्रणाम करना रहता है, फूल फेंकना नहीं पड़ता है। उसी प्रकार से भाषा पर भी नियंत्रण रखना पड़ता है। और इसीलिए जनता कांग्रेस को पसंद नहीं करती हैं। देश के संस्कारों के खिलाफ बात करते हैं राहुल गांधी डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इसलिए तो राहुल गांधी को पप्पू कहते हैं। बड़े दुर्भाग्य के साथ कहना पड़ रहा है कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मयार्दा छोड़कर के जिस भाव से बोलते है, वह न केवल उनकी इज्जत खराब करते हैं बल्कि पूरे देश की संस्कार के विरुद्ध बात करते हैं। पहले अपनी दादी के लिए जिस प्रकार से जूते पहन के फूल फेंक के जाते हैं। उसी प्रकार से प्रधानमंत्री जी के लिए उन्होंने जो शब्द बोले हैं और जिस ढ़ग से उन्होंने ट्रम्प की बात की है यह उनका एक तरह से हल्कापन सबके सामने आता है। मैं कड़े शब्दों में निदा करता हूं और हमारे अपने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जिस प्रकार से देश ने देखा है और उनके नेतृत्व में सेना ने जिस प्रकार से पाकिस्तान की हालत खराब की दुनिया इस बात को मानती है। उनके सांसद दुनिया में जा कर के बात कर रहे हैं और वह नादान तरह की बात करके नेता प्रतिपक्ष के गरिमापूर्ण पद है मयार्दा को ताक पर रख रहे हैं। राहुल गांधी कब मेच्योर होंगे? डॉ. यादव ने कहा कि राहुल गांधी कांग्रेस को कहां ले जाकर खड़ा करेंगे, उनके अपने व्यवहार बताते हैं की वो अब कब मेच्योर होंगे, कब परिपक्व होंगे और उनके साथ वाले तो ताली बजाते हैं ये बढ़ा दुर्भाग्य है। यह कांग्रेस ही जाने, यह उनका मामला है, पर मैं पुनः एक बार प्रधानमंत्री के बारे में बोले गए राहुल गांधी के वक्तव्य की कटु शब्दों में निंदा करता हूं और कांग्रेस संगठन और राहुल गांधी को इस मामले पर तुरंत माफी मांगना चाहिए।

संपादकीय

युद्ध और अ-शांति

यूक्रेन और रूस के बीच तुर्किये में शांति वार्ता का दूसरा दौर चल रहा है। इस खबर से दुनिया भर में राहत की सांस ली जानी चाहिए थी, लेकिन कोई इसके सार्थक परिणामों की उम्मीद नहीं कर रहा। दोनों देशों में अभी तक मृत सैनिकों के शवों और घायल सैनिकों की अदला-बदली पर ही सहमति बनी है, जबकि युद्ध तीन साल से बदस्तूर जारी है। दोनों देशों में हो रही वार्ता की तुर्किए के विदेश मंत्री हकन फिदान अध्यक्षता कर रहे हैं। रूस और यूक्रेन के वरिष्ठ अधिकारियों की हालिया टिप्पणियों से पहले ही संकेत मिल चुके हैं कि युद्ध को रोकने की दिशा में फिलहाल कोई ठोस प्रगति नहीं होने जा रही है। जंग का हाल ये है कि रोज इसकी गंभीरता बढ़ती जा रही है। अग्रिम मोर्चे पर भीषण लड़ाई चल रही है और दोनों पक्ष एक-दूसरे के क्षेत्र में भीतर तक हमले कर रहे हैं। पहले इस युद्ध में यूक्रेन को कमजोर समझा जा रहा था और पूरी दुनिया मान बैठी थी कि यूक्रेन जल्द ही हथियार डाल देगा और रूसी राष्ट्रपति पुतिन अपने मकसद में कामयाब हो जाएंगे, लेकिन यूक्रेनी सेना इस युद्ध को तीसरे साल तक खींचने में कामयाब रही है। रविवार को तो यूक्रेन ने रूस को एसा सबक सिखाया जिसे पुतिन और रूसी सेना कभी नहीं भूल पाएगी। यूक्रेनी सेना ने ड्रोन हमले करके रूस के भीतर कई अहम एयर स्ट्रिप को बरबाद कर 40 से अधिक रूसी विमानों की कब्रगाह बना डाली। खिसियाया रूसी रक्षा मंत्रालय मार गिराए गए यूक्रेनी ड्रोन की संख्या बताकर ही खीझ मिटा रहा है। यूक्रेन पर रूसी हमले पहले की तरह जारी हैं। युद्ध अब अत्याधुनिक पैंतरेबाजी तक पहुंच गया है। इसमें अब सैनिकों से ज्यादा ड्रोन की भूमिका हो गई है। युद्ध को लेकर संयुक्त राष्ट्र और बड़े देशों की भूमिका निंदनीय बनी हुई है। ये सभी इसे पुतिन का निजी मामला समझकर सुविधाजनक दूरी बनाए हुए हैं। यूक्रेन को सैन्य सामग्री देकर ही नाटो भी संतुष्ट है। अमेरिका रूस से तेल, गैस और यूरेनियम खरीदन वालों पर 500 फीसद शुल्क लगाने के विधेयक पर विचार की तैयारी कर रहा है। भारत और चीन इसका सीधा शिकार बनेंगे जो रूस से भारी मात्रा में ये सामान खरीद रहे हैं। इस युद्ध से पुतिन भी संकट में हैं, क्योंकि उन्होंने ऐसे युद्ध में गर्दन फंसा ली है जहां से निकलना संभव नहीं हो रहा। यूक्रेनी शहरों की तबाही और लाखों लोगों के विस्थापन के साथ दुनिया की भी सांस हलक में अटकी है। इस्तांबुल वार्ता का किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जरूरी है।

चिंतन-मनन

सच्चा पुरुषार्थ

यह बात उन दिनों की है जब स्वामी विवेकानंद की चर्चा दुनिया भर में फैल चुकी थी। उनके विचारों को लेकर हर जगह विचार-विमर्श चल रहा था। उन्हें एक आदर्श के रूप में स्थापित होता देख एक विदेशी महिला बहुत प्रभावित हुई। उसने स्वामी विवेकानंद से विवाह करने का मन बना लिया। बस, इसके बाद वह हरदम उन्हीं के बारे में सोचती रहती। संयोग से एक दिन स्वामी विवेकानंद एक सम्मेलन में भाग लेने पहुंचे तो उसने उनसे मिलने की ठान ली। वह किसी तरह उसी स्थान पर जा पहुंची जहां सम्मेलन हो रहा था।

महिला स्वामी जी के समीप जाकर निर्भीकता से बोली,स्वामी जी, मैं आपसे विवाह करना चाहती हूं। स्वामी विवेकानंद ने उससे पूछा,क्यों, विवाह तुम आखिर मुझसे ही क्यों करना चाहती हो? क्या तुम यह नहीं जानती कि मैं तो एक संन्यासी हूं? महिला ने पूरी विनम्रता से कहा,देखिए, बात ये है कि मैं आपके जैसा ही गौरवशाली, सुशील और तेजमय पुत्र चाहती हूं। और वह तो तभी संभव होगा जब आप मुझसे विवाह करेंगे।

यह सुनकर स्वामी विवेकानंद ने उत्तर दिया, देखो, हमारी शादी तो संभव नहीं है, परंतु एक उपाय अवश्य है। महिला बोली,कैसा उपाय? स्वामी विवेकानंद बोले,आज से मैं ही आपका पुत्र बन जाता हूं और आप मेरी मां बन जाएं। आपको मेरे जैसा पुत्र मिल जाएगा। विवेकानंद की यह बात सुनकर विदेशी महिला उनके चरणों पर गिर पड़ी और बोली,स्वामी जी, सचमुच आप साक्षात ईश्वर के रूप हैं। इसे कहते हैं पुरुष और ये होता है पुरुषार्थ। सच्चा पुरुषार्थ तभी होता है जब पुरुष नारी के प्रति अपने मन में पुत्र जैसा भाव ला सके और उसमें मातृत्व की भावना उत्पन्न कर सके।

चिंतन-मनन

समानता का संदेश

पैगंबर मोहम्मद साहब ने मक्का विजय के बाद एक नीग्रो गुलाम बिलाल को पवित्र काबा की छत पर चढ़कर नमाज के लिए अजान देने का हुक्म दिया। बिलाल ने कुछ ही समय पहले इस्लाम अपनाया था। जब वह पवित्र काबा की छत पर चढ़ा तो कुछ कुलीन अरब नागरिक चिल्लाकर बोले, ओह! बुरा हो उसका, वह काला हब्शी अजान के लिए पाक काबा की छत पर चढ़ गया।

अश्वेतों के प्रति यह पूर्वाग्रह देख पैगंबर मोहम्मद साहब परेशान हो गए। उन्होंने कहा, ऐ लोगो! यह याद रखो कि सारी मानव जाति केवल दो श्रेणियों में बंटी है। पहली धर्मनिष्ठ, खुदा से डरने वाली, जो खुदा की दृष्टि में सम्मानित है। दूसरी जो उल्लंघनकारी, अत्याचारी, अपराधी, निर्दयी और कठोर है, जो खुदा की नजर में गिरी हुई है। संसार के सभी लोग एक ही आदमी की औलाद हैं।

अल्लाह ने आदम को मिट्टी से पैदा किया था। इसकी सत्यता का प्रमाण पवित्र कुरआन में इन शब्दों में दिया गया है :ऐ लोगो! हमने तुमको एक मर्द और एक औरत से पैदा किया और तुम्हारी विभिन्न जातियां और वंश बनाए, ताकि तुम एक दूसरे को पहचानो। असल में अल्लाह की निगाह में तुममें सबसे अधिक सम्मानित वह है, जो अल्लाह से सबसे ज्यादा डरने वाला है। अल्लाह पूरी तरह खबर रखने वाला है।

मोहम्मद साहब ने अपने अनुयायियों को हमेशा रूप-रंग, जाति-नस्ल, ऊंच-नीच या किसी भी किस्म के भेदभाव से दूर रहने को कहा। इन उपदेशों से अरब प्रभावित हुए और उन्होंने उनका पूरी तरह पालन किया। उन्होंने इस्लाम अपनाने वाले गुलाम नीग्रो लोगों से अपनी बेटियां ब्याह कर उनसे सम्मानजनक संबंध बनाए।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

कोरोना महामारी के मोर्चे पर सरकार की तैयारियां?

सनत जैन

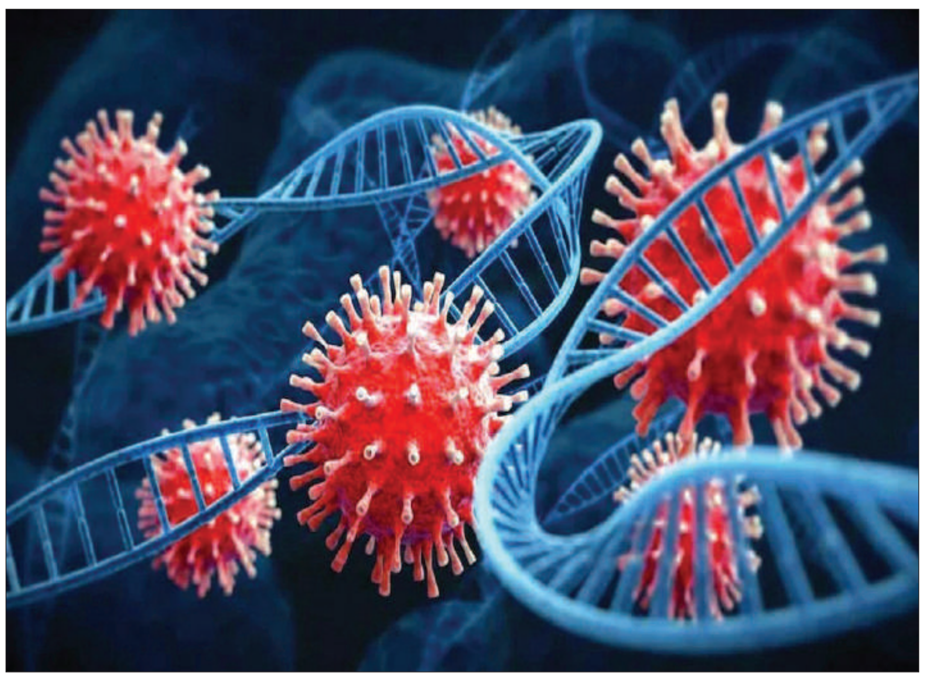

भारत में एक बार फिर कोरोना संक्रमण की रफ्तार तेज हो गई है। केवल 13 दिनों में संक्रमण के मामले 257 से बढ़कर 4026 तक पहुंच गए हैं। इसमे सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है, सरकार की ओर से इस बार कोई ठोस गाइडलाइन या रणनीति सामने नहीं आई है। अस्पतालों में कोविड वार्ड नदारद हैं। ऑक्सीजन सिलेंडरों की किल्लत फिर हो सकती है। पहले से ही जर्जर स्वास्थ्य ढांचा चरमराने की कगार पर है। पीएम केयर फंड के माध्यम से जो अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट लगवाए गए थे, वे बंद पड़े हुए हैं। सरकार की ओर से अभी तक कोरोना के वायरस और इलाज को लेकर कोई गाइडलाइन जारी नहीं की गई है, जिसके कारण आम लोगों में डर और भय का वातावरण देखने को मिल रहा है। कोरोना की तीसरी लहर के विनाशकारी अनुभव के बावजूद केंद्र और राज्य सरकारें इस बार पूरी तरह बेपरवाह नजर आ रही हैं। न तो अस्पतालों में कोविड बेड आरक्षित किये गये हैं, ना ही कोरोना वायरस की टेस्टिंग को लेकर कोई दिशा निर्देश अथवा सख्ती शुरू की गई है। कई जिलों में आरटी-पीसीआर जांच सीमित हैं। ऐसे में असल संक्रमण की स्थिति का अंदाजा लगाना भी मुश्किल हो रहा है। सबसे गंभीर चिंता यह है, इस बार कोविड के नए वैरिएंट्स–जैसे जेएन-1, एक्सबीबी1.16 और बीए.2.86–तेजी से फैल रहे हैं। इन पर पहले की वैक्सीन कारगर नहीं है। इसका दावा खुद स्वास्थ्य विभाग कर रहा है। इलाज का कोई निष्कर्ष अभी तक सामने नहीं आया है। सरकार इस पर कोई संज्ञान लेते नहीं दिख रही है।

सरकारी अस्पतालों की हालत ऐसी है, कि वहां सामान्य मरीजों को भी ठीक से इलाज नहीं मिल पा रहा है। यदि संक्रमण और फैला तो सरकारी एवं निजी अस्पतालों मे कोरोना बीमारी के इलाज के नाम पर मनमानी एक बार फिर आम जनता की जेब पर भारी पड़ेगी। इससे निपटने के लिए कोई स्पष्ट नीति या तैयारी को लेकर केंद्र सरकार की चुप्पी लोगों को आश्चर्य में डाल रही है। भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में महामारी से निपटने के लिए पूर्व योजना, संसाधनों का भंडारण, पारदर्शी रिपोर्टिंग एवं केंद्र-राज्यों के बीच समन्वय अत्यंत आवश्यक हैं। दुर्भाग्यवश, यह सब समाचार पत्रों और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तक ही सीमित है। अगर अब भी सरकार नहीं जागी, तो देश एक बार फिर उसी अराजकता और भय के दौर में लौट सकता है, जो दूसरी लहर के समय देखा गया था। कोविड-19 में दूसरी और तीसरी लहर में सबसे ज्यादा मौतें हुईं थीं। सरकार ने 4.60 लाख मौत होना स्वीकार की थी, लेकिन अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा 30.7 लाख मौत भारत में होने की पुष्टि की थी। बीबीसी, टेलीग्राफ और कनाडा के टोरंटो विश्वविद्यालय द्वारा कोरोना महामारी में बीमारियों के जो आंकड़े प्रस्तुत किए थे उसमें भारत में कम से कम 30.7 मौतें होना बताया गया था। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के अनुसार भारत की जनसंख्या के हिसाब से कोरोना में मरने वालों की संख्या 0.3 फीसदी थी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे 0.6 माना गया था। 2021 में इस महामारी के कारण जो विनाश हुआ था, उसको देखते हुए भारत से दुनिया के देशों को कोरोना के नए वायरस को लेकर काफी सजग होने की जरूरत है। वह भी तब जब इसकी कोई वैक्सीन नहीं है। अभी तक विश्व स्तर पर इसके इलाज के बारे में कोई गाइडलाइन जारी नहीं हुई है। ऐसे में चिंता और भी बढ़ जाती है।

सरकार को तुरंत कोरोना बीमारी के उपचार के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। नए वैरिएंट्स पर वैज्ञानिक समीक्षा, उपचार, कोविड मरीज के लिए अस्पतालों में बेड आरक्षित करना, मुफ्त जांच, दवाओं की उपलब्धता और जनजागरूकता अभियान चलाना जल्दी से जल्दी शुरू करना होगा। यह समय आश्वासनों का नहीं, त्वरित कार्रवाई का है। महामारी को लेकर की गई लापरवाही की कीमत देश पहले ही भोग चुका है। केंद्र एवं राज्य सरकारों को कोरोना के इस नए वायरस को गंभीरता से लेना होगा। इसका इलाज किस तरह से हो जिसका लाभ मरीजों को मिले तथा कोरोना की बीमारी के जो विभिन्न किस्म के वायरस बार-बार नए-नए रूपों में जन्म ले रहे हैं। उसके लिए टीका विकसित करने जैसी स्थितियों पर विचार करना होगा। आशा की जाती है कि भारत सरकार और राज्य सरकारें त्वरित कार्यवाही करें। देश भर के सभी सरकारी और निजी अस्पतालों में कोरोना वायरस से निपटने के लिए नई गाइडलाइन जारी करें। वायरस से किस तरीके से निपटा जा सकता है। इसका उपचार कैसे होगा इसकी जानकारी निचले स्तर तक भेजने में सरकार की भूमिका महत्वपूर्ण है। इस दिशा में गंभीरता के साथ युद्ध स्तर पर कार्रवाई की जानी चाहिए, यही समय की मांग है।

मुद्दा : कोमल मन पर भारी कठोर परवरिश

अमित बैजनाथ गर्ग

हाल ही में पश्चिम बंगाल के पंसकुरा में 7वीं क्लास में पढ़ने वाले बच्चे ने इसलिए आत्महत्या कर ली, क्योंकि उसकी मां ने सबके सामने उसको डांट दिया था। बच्चा अपने पीछे एक सुसाइड नोट छोड़ गया है, जो झकझोर देने वाला है।

अपने सुसाइड नोट में बच्चे ने लिखा था कि मां मैंने चोरी नहीं की। बच्चे के ये आखिरी शब्द दिल को झकझोर कर रख देने वाले हैं। दरअसल, स्कूल में पढ़ने वाले 13 साल के कृष्णोंदु दास पर एक मिठाई की दुकान से चिप्स के तीन पैकेट चुराने का आरोप लगा था। मिठाई की ये दुकान गोसाईबेर बाजार में एक सिविल वॉलंटियर शुभांकर दीक्षित की थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि शुभांकर की गैरमौजूदगी में बच्चे ने दुकान से चिप्स के तीन पैकेट चुरा लिए थे। दुकान मालिक ने बच्चे को दुकान से थोड़ी दूर चिप्स के पैकेट के साथ देखा, तो उसके पीछे दौड़ पड़ा। उससे चोरी के बारे में पूछताछ की गई। उसने दुकानदार को पांच रुपये के हिसाब से तीन चिप्स के पैकेट के 15 रु पये दे दिए। इसके बाद भी दुकानदार नहीं माना। वह पैसे लौटाने के बहाने बच्चे को वापस दुकान पर ले गया और उसको मारा-पीटा। इतना ही नहीं, दुकानदार ने बच्चे से सार्वजनिक रूप से माफी भी मंगवाई।

बच्चे के साथ ये सब अभी हुआ ही था कि उसकी मां को जैसे ही इस बारे में पता चला, वह भी उसे फिर से उसी मिठाई की दुकान पर लेकर गई और सबके सामने डांटा। इस बात से 13 साल का लड़का इस कदर आहत हो गया कि घर लौटते ही उसने कीटनाशक पीकर आत्महत्या करने की कोशिश की। गंभीर हालत में उसे तुरंत तामलुक मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि बच्चे के कमरे से एक सुसाइड नोट बरामद किया गया है। इसमें कृष्णोंदु ने आत्महत्या करने से पहले अपनी नोटबुक में लिखा है कि मां मैंने कुरकुरे नहीं चुराए। मुझे वो सड़क पर पड़े मिले थे। मैंने चोरी नहीं की है।

पीड़ित परिवार का आरोप है कि मिठाई दुकानदार के बर्ताव की वजह से बच्चा ऐसा खौफनाक कदम उठाने को मजबूर हो गया। तब से दुकान मालिक फरार है। परिवार इस बात को भी मान रहा है कि मां के सार्वजनिक रूप से डांटे जाने का भी बच्चे के मन पर गहरा असर हुआ। मां की डांट से बच्चा बहुत दुखी था। यह डांट उसके मन में घर कर गई। वह इस तरह के व्यवहार को सहन नहीं कर सका।

असल में यह घटना उन मां-बाप के लिए किसी सबक से कम नहीं है, जो बात-बात पर सबके सामने अपने बच्चों को बुरी तरह डांट देते हैं, क्योंकि उम्र के इस पड़ाव में बच्चे बहुत ही कोमल और संवेदनशील होते हैं। वह हर बात को अपनी बेइज्जती से जोड़ लेते हैं। कई बार वह ऐसा कदम उठा लेते हैं, जिसके बाद पछताने के अलावा कोई और रास्ता परिवार के पास भी नहीं होता, इसलिए माता-पिता को बच्चों के साथ पेश आने में बहुत ही सतर्कता बरतनी चाहिए। किसी भी बात पर उनको समझाएं, न कि सबके सामने उन्हें डांटें। अगर डांटना बहुत जरूरी है, तो अकेले में ही डांटें। सबके सामने ऐसा करने से बचें, ताकि उनको बेइज्जती महसूस न हो।

चाइल्ड एक्सपर्ट का कहना है कि आज के दौर में बच्चों की परवरिश करना बिल्कुल भी आसान नहीं है। उन्हें अच्छे या बुरे की अहमियत समझाना बहुत जरूरी है, लेकिन प्यार और अपनेपन के साथ। हर बात पर उन्हें डांटना या पीटना ठीक नहीं है। कुछ एक्सपर्ट कहते हैं कि माता-पिता बच्चों को नहीं डांटें तो वे मनमानी करते हैं और अगर डांटें तो बच्चे दिल पर ले लेते हैं। ऐसे में बड़ा सवाल ये है कि मां-बाप बच्चों को कैसे समझाएं, क्योंकि बच्चों का मन बहुत ही कोमल होता है। छोटी-छोटी बातों का उनके मन पर गहरा असर होता है। अगर सबके सामने उनको डांट दिया जाए, तो वे इसे अपनी बेइज्जती समझ लेते हैं। आहत होकर कई बार वह गलत कदम उठा लेते हैं। असल में परिवार को अब इस बात को समझना होगा कि बदलते माहौल में बच्चों की परवरिश यदि उसके अनुसार न हो, तो उसके परिणाम गंभीर होते हैं। आमतौर पर कुछ बच्चे काफी सहज और सरल होते हैं, तो कुछ बेहद ही संवेदनशील। ऐसे में उनके स्वभाव के अनुसार ही उनकी देखभाल करने की

जरूरत होती है। बच्चों की भावनाओं का ख्याल रखना बेहद जरूरी होता है। उनके कोमल मन को समझना भी बहुत जरूरी है। हर बात वह गलत हों, ऐसा जरूरी नहीं है। कई बार बच्चे सच बोल रहे होते हैं, तो भी उन्हें गलत मान लिया जाता है। परिवार को सही और गलत के निर्णय पर पहुंचने से पहले कई बार सोचना होगा। हर बात पर बाल मन का इस तरह तिरस्कार करना सही नहीं कहा जा सकता। हर बच्चे को कृष्णोंदु बनने से बचाना होगा।

पर्यावरण संरक्षण के प्रति करना होगा जागरूक

हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता हैं। यह एक वैश्विक संदेश देता है कि अब वह समय आ गया है जब मनुष्य और प्रकृति के बीच खोए हुए सन्तुलन को फिर से स्थापित किया जाना चाहिए। इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस 2025 का थीम है विश्व स्तर पर प्लास्टिक प्रदूषण का अंत। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 1972 में पहली बार विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया था। लेकिन विश्व स्तर पर इसके मनाने की शुरूआत 5 जून 1974 को स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में हुई थी। जहां 119 देशों की मौजूदगी में पर्यावरण सम्मेलन का आयोजन किया गया था। साथ ही प्रति वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का निर्णय लिया गया था। इस सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम का गठन भी हुआ था। भारत में पर्यावरण संरक्षण अधिनियम भारत की संसद द्वारा 1986 में पारित किया गया था। इसे संविधान के अनुच्छेद 253 के तहत पारित किया गया था। यह 19 नवंबर 1986 को लागू हुआ था।

विश्व पर्यावरण दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के दूसरे तरीकों सहित सभी देशों के लोगों को एक साथ लाकर जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने और जंगलों के प्रबन्ध को सुधारना है। वास्तविक रुप में पृथ्वी को बचाने के लिये आयोजित इस उत्सव में सभी आयु वर्ग के लोगों को सक्रियता से शामिल करना होगा। तेजी से बढ़ते शहरीकरण व लगातार काटे जा रहे पड़ो के कारण बिगड़ते पर्यावरण संतुलन पर रोक लगानी होगी।

हमारी धरती, जनजीवन को सुरक्षित रखने के लिए पर्यावरण का सुरक्षित रहना बहुत जरूरी है। पूरी दुनिया आधुनिकता की ओर बढ़ रही हैं। दुनियाभर में हर दिन ऐसी चीजों का इस्तेमाल बढ़ रहा है जिससे पर्यावरण खतरे में हैं। इंसान और पर्यावरण के बीच गहरा संबंध है। प्रकृति के बिना जीवन संभव नहीं। ऐसे में प्रकृति के साथ इंसानों को तालमेल बिठाना होता है। लेकिन लगातार वातावरण दूषित हो रहा है। जिससे कई तरह की समस्याएं बढ़ रही हैं। जो हमारे जनजीवन को तो प्रभावित कर ही रही हैं। साथ ही कई तरह की प्राकृतिक आपदाओं की भी वजह बन रही हैं। सुखी स्वस्थ जीवन के लिए पर्यावरण का संरक्षण जरूरी है। इसी उद्देश्य से हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है।

स्वस्थ पर्यावरण हमारे जीवन में काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि बिना इसके स्वस्थ रहने की कल्पना करना मुश्किल है। हमें अपने मन में संकल्प लेना होगा कि हमें प्रकृति से सदभाव के साथ जुड़ कर रहना है। इस पर्यावरण दिवस पर हम सब इस बारे में सोचें कि हम अपनी धरती को स्वच्छ और हरित बनाने के लिए और क्या कर सकते हैं। किस तरह इस दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। पर्यावरण दिवस पर अब सिर्फ पौधारोपण करने से कुछ नहीं होगा। जब तक हम यह सुनिश्चित नहीं कर लेते कि हम उस पौधे के पेड़ बनने तक उसकी देखभाल करेंगें।

पर्यावरण शब्द संस्कृत भाषा के परि उपसर्ग (चारों ओर) और आवरण से मिलकर बना है जिसका अर्थ है ऐसी चीजों का समुच्चय जो किसी व्यक्ति या जीवधारी को चारों ओर से आवृत्त किये हुए हैं। यह शब्द फ्रांसीसी शब्द एनवायरनर से लिया गया है जिसका अर्थ है घेरना, घेरना या घेरना। पर्यावरण को उस परिवेश या परिस्थितियों के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जिसमें पौधे, जानवर और मनुष्य जैसे जीवित जीव रहते हैं। पर्यावरण की एक सरल परिभाषा में कहा जा सकता है कि मानव जीवन को प्रभावित करने वाले सभी जैविक और अजैविक तत्वों को शामिल करने वाली एक प्रणाली है। जैविक या जीवित घटकों में सभी वनस्पति और जीव शामिल हैं और अजैविक घटकों में पानी, सूरज की रोशनी, हवा, जलवायु आदि शामिल हैं।

देश में तेजी से हो रहे शहरीकरण के कारण बड़ी मात्रा में कृषि भूमि आबादी की भेंट चढ़ती गई। जिस कारण वहां के पेड़ पौधे काट दिये गये व नदी नालों को बंद कर बड़े-बड़े भवन बना दिए गए। जिससे वहां रहने वाले पशु, पक्षी अन्यत्र चले गए। लेकिन लाकडाउन ने लोगों को उनके पुराने दिनों की याद दिला दी है। पुराने समय में पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिये पड़ो को देवताओं के समान दर्जा दिया जाता था। ताकि उन्हे कटने से बचाया जा सके। बड़-पीपल जैसे घने छायादार पेड़ो को काटने से रोकने के लिये उनकी देवताओं के रूप में पूजा की जाती रही है। इसी कारण गावों में आज भी लोग बड़ व पीपल का पेड़ नहीं काटते हैं।

मनुष्य प्रकृति द्वारा बनाया गया सबसे बुद्धिमान प्राणी माना जाता है। उसने एक ओर जहां विज्ञान से प्रौद्योगिक का विकास किया वहीं दूसरी ओर अंधाधुंध शहरीकरण तथा औद्योगिकीकरण भी किया। इसी का नतीजा है कि उद्योगों से निकलने वाला धुआँ, दूषित पदार्थ आदि प्रदूषण को जन्म दें रहे हैं। इस कारण जलप्रदूषण, वायुप्रदूषण हुआ है। आवास एवं शहरीकरण हेतु वनों की अत्यधिक कटाई के कारण मिटटी प्रदूषण एवं भूमि कटाव जैसी समस्याएं उत्पन्न हुई हैं। वर्तमान समय में प्रदूषण किसी एक गांव, कस्बे या शहर की समस्या नहीं है अपितु यह संपूर्ण विश्व की बहुत विकराल समस्या बन गई है।

पांच वर्ष पूर्व लाकडाउन का वह समय पर्यावरण की दृष्टि से अब तक का सबसे उत्तम समय रहा था। उस दौरान शहरों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी वायु प्रदूषण का स्तर घटकर न्यूनतम स्तर पर आ गया है। देश की सभी नदियों का जल पीने योग्य हो गया था। जो किसी चमत्कार से कम नहीं है। पूरी दुनिया में पिछले वर्ष जैसा पर्यावरण दिवस शायद ही फिर कभी मने। सरकार हर वर्ष नदियों के पानी को प्रदूषण मुक्त करने के लिए अरबों रुपए खर्च करती आ रही है। उसके उपरांत भी नदियों का पानी शुद्ध नहीं हो पाता है। लाकडाउन के दौरान बिना कुछ खर्च किए ही नदियों का पानी अपने आप शुद्ध हो गया था। पर्यावरणविदों के मुताबिक जिन नदियों के पानी से स्नान करने पर चर्म रोग होने की संभावनाएं व्यक्त की जाती थी। उन नदियों का पानी शुद्ध हो जाना बहुत बड़ी बात थी। देश की सबसे अधिक प्रदूषित मानी जाने वाली गंगा नदी सबसे शुद्ध जल वाली नदी बन गयी थी।

भारत का पहला पर्यावरण आंदोलन बिश्नोई आंदोलन था। अमृता देवी ने इस प्रयास का नेतृत्व किया था। जिसमें 363 लोगों ने अपने जंगलों के संरक्षण के लिए अपनी जान दे दी। पेड़ों की सुरक्षा के लिए उन्हें गले लगाने या आलिंगन देने की अवधारणा स्थापित करने वाला यह अपनी तरह का पहला आंदोलन था। इस दिन हमें आमजन को भागीदार बना कर उन्हे इस बात का अहसास करवाना होगा कि बिगड़ते पर्यावरण असंतुलन का खामियाजा हमे व हमारी आने वाली पीढियों को उठाना पड़ेगा। इसलिये हमें अभी से पर्यावरण को लेकर सतर्क व सजग होने की जरूरत है। हमें पर्यावरण संरक्षण की दिशा में तेजी से काम करना होगा तभी हम बिगड़ते पर्यावरण असंतुलन को संतुलित कर पायेगें। तभी हमारी आने वाली पीढ़ियां शुद्ध हवा में सांस ले पायेगी। यदि समय रहते प्रदूषण जैसी समस्या का समाधान नहीं निकाला गया तो इसका खामियाजा संपूर्ण मानव जाति को भुगतना होगा। और इसके भयंकर परिणाम होंगे जो हमारे साथ भविष्य में आने वाली पीढ़ी भी भुगतेगी। नेशनल हेल्थ पोर्टल आफ इंडिया के मुताबिक देश में हर साल करीब 80 लाख लोगों की मौत वायु प्रदूषण की वजह से हो जाती है। वायु प्रदूषण के चलते लोगों को शुद्ध हवा नहीं मिल पाती है। जिसका हमारे शरीर में फेफड़े, दिल और दिमाग पर बुरा असर पड़ रहा है। देश में 34 प्रतिशत लोग प्रदूषण की वजह से मरते हैं।

संदिग्ध अवस्था में पेड़ पर लटका हुआ मिला युवक का शव

धनोरा/अमरोहा (सब का सपना):- थाना क्षेत्र में एक युवक का शव संदिग्ध अवस्था में पेड़ पर लटका हुआ मिला। शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। वहीं मौके पर पहुंची पुलिस भी मामले की जांच में जुटी हुई है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पूरा मामला मंडी धनौरा थाना क्षेत्र के गांव आजमपुर का है जहां बुधवार को सुबह के समय एक 30 वर्षीय युवक का शव पेड़ पर संदिग्ध अवस्था में लटका हुआ मिला। युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मिली जानकारी के मुताबिक मृतक युवक बिनदर पुत्र रिषिपाल की अपनी पत्नी से मंगलबार दोपहर आखिरी बार बात हुई थी। बुधवार की सुबह उसका शव गन्ने के खेत में पेड़ पर संदिग्ध अवस्था में लटका हुआ मिला। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल मौत की असली वजह साफ नहीं हो सकी है। वही खबर लिखे जाने तक परिजनों के द्वारा पुलिस को कोई तहरीर नहीं दी गई थी वहीं थाना अध्यक्ष का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

जिलाधिकारी ने बकरीद को शांतिपूर्ण संपन्न करने के दिए निर्देश

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- जनपद की जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में आगामी ईद-उल-अजहा (बकरीद) पर की जाने वाली व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में कलक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर सर्व प्रथम जिलाधिकारी ने एक एक करके जिले से आये हुए मुस्लिम कमेटी के सदस्यों से सुझाव लिए । जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि शरारती तत्वों पर विशेष नजर रखी जाये और उनसे कड़ाई से निपटा जाये। ईद का त्योहार आपसी भाईचारे प्रेम सौहार्द के साथ निपटाया जाए कंही पर किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो यह सभी अधिकारी सुनिश्चित कर लें। इस अवसर पर जिला अधिकारी ने आगामी ईद उल अजहा (बकरीद) की शुभकामनायें देते हुये आश्वासन दिया कि गत वर्षों की अपेक्षा इस वर्ष ईद को सकुशल सम्पन्न कराने के लिये बेहतर इंतजाम किये जायेंगे। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता विद्युत को निर्बाध विद्युति आपूर्ति सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिये। कहा कि अतिरिक्त ट्रांसफॉर्मर प्रेत्यक विद्युत केंद्र में रहना चाहिये एक कंट्रोल रूम बना लिया जाए जिसमे 24 घण्टे स्टाफ की तैनाती रहे। कोई कंही दिक्कत है तो पहले से ही ठीक कर लिया जाए । जिलाधिकारी ने कहा कि अफवाहों पर विशावस न करें अमरोहा शांति का जनपद है पॉजिटिव होकर कार्य करें कोई भी अप्रिय घटना न घटित हो इस पर नजर रखें। जिलाधिकारी ने सभी

उपस्थित जनों को ईद की मुबारक वाद दिया। जिलाधिकारी ने सभी अधिशासी अधिकारियों को निर्देश दिये कि जहाँ-जहाँ कुबार्नी होनी है, वहां पर पर्याप्त सफाई कर्मी तैनात किये जायें और अवशेषों के निस्तारण के लिये पर्याप्त व्यवस्था कर ली जाये। साफ सफाई बेहतर होनी चाहिए । चिन्हित कुबार्नी स्थलों में मांस एवं अवशेषों को ढकने की व्यवस्था कर ली जायें ताकि किसी प्रकार की समस्या न हो। अवशेषों को चिन्हित स्थान पर ही डाला जाय यह विशेष ध्यान दें । पर्याप्त चूना का छिड़काव कराया जाए । अवशेष का निस्तारण बेहतर तरीके से किया जाए कहीं पर नालियों और नालों में अवशेष दिखाई ना दे । जल की सप्लाई ठीक ढंग से हो सभी टैंकर जल से भरें हो पानी की कोई दिक्कत न हो । समय का ध्यान दिया जाय इसमे कोई लापरवाही न हो। जिलाधिकारी ने ग्रामीण इलाकों में होने वाली कुबार्नी स्थलों की साफ-सफाई कराने व कुबार्नी अवशेष के निस्तारण के बेहतर इन्तजाम कराये जाने के निर्देश जिला पंचायत राज अधिकारी को दिये। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने कहा कि गत वर्षों में सभी त्यौहार शान्तिपूर्ण तरीके सम्पन्न कराएं । कहा कि कुबार्नी का अवशेष बाहर न फेका जाय नाली में न बहाया जाए , चिन्हित स्थल पर ही डाला जाए । कोई नई परंपरा न डाली जाए रोड पर नवाज न पढ़ी जाए । वेस्ट कवर्ड कर ले जाया जाए किसी भी दशा में प्रतिबंधित पशु की कुरबानी न होने दिया जाए । सोशल मीडिया में कोई आपत्ति जनक वीडियो फोटो न डाली जाए । कहा ट्रफिक के नियमों का पालन किया जाए हेलमेट सीटबेल्ट का प्रयोग करें। इस अवसर पर अपर जिला जिलाधिकारी (वि0/रा) बृजेश कुमार त्रिपाठी,अपर पुलिस अधीक्षक उपजिलाधिकारी अमरोहा हसनपुर , पुलिस क्षेत्रधिकारी, अधिशासी अधिकारी, सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी, एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मुस्लिम कमेटी के सदस्य मौजूद रहे।

दो बाईकों की भिड़त लोग घायल,एक हालत गंभीर

धनौरा(सब का सपना):- गजरौला हसनपुर मार्ग पर दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में बाइक सवार तीन लोग घायल हो गए। आनन फानन में तीनों घायल लोगों गजरौला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लाया गया जहां डॉक्टर ने एक की हालत नाजुक होते देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया। बता दें कि बुधवार की दोपहर गजरौला हसनपुर मार्ग पर दो बाईकों की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। जिसमें एक बाईक पर सवार तीन लोग बुरी तरह से घायल हो।हादसा होते ही मौके लोग की भीड़ इकट्ठा हो गई। आनन-फानन भीड़ में शामिल किसी अज्ञात युवक ने अपनी निजी कार से तीनों घायलों को गजरौला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया,जहां डॉक्टरों ने उन्हें

प्राथमिक उपचार दिया और एक की हालत नाजुक होते देख अमरोहा जिला अस्पताल रेफर कर दिया।घायल होने वाले लोगों में कामिल पुत्र आबिद निवासी गंगवार थाना आदमपुर अमरोहा, तलहा पुत्र आबिद निवासी ग्राम गंगवार थाना आदमपुर व हुजैफा शामिल हैं।घटना की जानकारी देते हुए घायल तलहा ने बताया कि मैं किठौर क्षेत्र में पढ़ता हूं मेरा भाई कामिल मुझे किठौर से लेने गया था।किठौर से घर जाते समय जब हम हसनपुर रोड पर सिहाली जागीर के निकट पहुंचे तो सामने से आ रहे तेज रफ्तार अज्ञात बाइक सवार युवक ने हमारी बाईक में टक्कर मार दी जिससे हम बुरी तरह से घायल हो गए।

जिला पूर्ति अधिकारी और पूर्ति निरीक्षकों ने 37 राशन की दुकानों का औचक निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- जनपद की जिला पूर्ति अधिकारी रीना कुमारी ने जानकारी देते हुए कहा कि अद्योहस्ताक्षरी के साथ 02 क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी, 05 पूर्ति निरीक्षकों के द्वारा जनपद की कुल 37 उचित दर दुकानों का औचक निरीक्षण किया गया जिसमें अधिकांश उचित दर दुकानों पर विक्रेता द्वारा राशनकार्डधारकों के मध्य वितरण करना पाया गया तथा मौके पर उचित दर दुकान पर उपस्थित राशनकार्डधारकों के बयान दर्ज किये गये जिसमें राशनकार्डधारको द्वारा विक्रेताओं के द्वारा राशनकार्डधारकों के मध्य निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न देना बताया गया तथा 37 विक्रेताओं में से 12 विक्रेताओं (03 विक्रेताओं को उचित दर दुकान बंद रखने तथा 09 उचित दर विक्रेताओं को उचित दर दुकान पर स्टाक बोर्ड, रेट बोर्ड, अन्य आवश्यक सूचनाए अस्पष्ट पाये जाने तथा खाद्यान्न के रख-रखाव के संबंध में) स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने हेतु नोटिस जारी किये गये है।

दो बाल अपचारी चोरी के माल सहित पुलिस ने किए गिरफ्तार

संभल (सब का सपना):- प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार विश्नोई व अपर पुलिस अधीक्षक सम्भल राजेश कुमार श्रीवास्तव के कुशल निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी सम्भल आलोक कुमार भाटी व थाना प्रभारी थाना हयातनगर संजीव कुमार के कुशल नेतृत्व में जनपद सम्भल में कानून व्यवस्था, अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियन्त्रण हेतु पुलिस टीम द्वारा बैटरा चोरी एवं अन्य सामान को चोरी करने के सम्बन्ध मे दो बाल अपचारी 1. अमन उर्फ ढोल पुत्र पप्पू उर्फ रामकिशोर निवासी मौ० अम्बेडकर मूर्ति थाना हयातनगर जनपद सम्भल उम्र 17 वर्ष 2. गोलू पुत्र करन निवासी अम्बेडकर गेट थाना हयातनगर जनपद सम्भल उम्र करीब 16 वर्ष को मय बैटरा व अन्य

सामान के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तो को समय से मा० न्यायालय पेश किया जा रहा हैं। 3 जून को वादी मौ0 कैफ पुत्र अय्यूब निवासी ग्राम मुजफ्फरपुर थाना हयातनगर जिला सम्भल द्वारा एक बाल अपचारी को अपने कारखाने मे चोरी करते हुए अमन उर्फ ढोल उपरोक्त को मय बैटरे के साथ गिरफ्तार कर थाने लाये जिसके सम्बन्ध मे थाना हाजा पर मु0अ0स0 150/25 धारा 303 (2) /317(2) बनाम 1. अमन उर्फ ढोल पुत्र पप्पू उर्फ रामकिशोर निवासी मौ० अम्बेडकर मूर्ति थाना हयातनगर जनपद सम्भल उम्र 17 वर्ष 2. गोलू पुत्र करन निवासी अम्बेडकर गेट थाना हयातनगर जनपद सम्भल उम्र करीब 16 वर्ष (भागा हुआ) के विरूदध पंजीकृत कराया था। जिसमे वांछित बाल अपचारी गोलू पुत्र करन सिंह को पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार किया गया।

5 वर्ष पहले शुरू हुआ पुलिया निर्माण कार्य अधर में लटका, ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- राष्ट्र सेवी संगठन के कार्यकताओं की एक आवश्यक बैठक ग्राम नगलिया मुंशी निवासी संगठन संस्थापक सदस्य रूपचंद चौहान के आवास पर आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित ग्राम वासियों ने कहा कि लगभग 5 वर्ष पूर्व नहर विभाग द्वारा सिंचाई नाले का निर्माण शुरू किया गया था। तभी नगलिया मुंशी औसा माफी मार्ग पर पुलिया निर्माण हेतु गड्ढा खोदा गया था। नाले का निर्माण शुरू हुआ था और नाले की एक साइड बना दी गई थी। लेकिन तब से अब तक न तो नाले की दूसरी साइड बनी है और न ही गड्ढे के स्थान पर पुलिया का निर्माण किया गया है। वर्षा के समय गड्ढा

पानी से भरने से जहां एक ओर आवागमन अवरुद्ध हो जाता है वहीं गड्ढे में 8 से 10 फिट पानी भरने से डूबकर अप्रिय घटना घटित हो सकती है। वही निर्माण कार्य न किए जाने से नहर विभाग द्वारा सिंचाई नहर निर्माण के प्रति लापरवाही सिद्ध हो रही है। अति शीघ्र पुलिया निर्माण कर नहर निर्माण पूरा कर मध्य गंगा नहर में पानी छोड़े जाने की मांग की। इस अवसर पर उपस्थित राष्ट्र सेवी संगठन संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने ग्राम वासियों को उच्च अधिकारियों से मिलकर लंबित नहर व पुलिया का निर्माण कार्य शुरू कराने का भरोसा दिलाया। साथ ही शीघ्र समाधान न हो पाने की स्थिति में मजबूरी में ग्राम एवं क्षेत्र वासियों के साथ मिलकर तहसील समाधान दिवस हसनपुर में धरना प्रदर्शन किए जाने की बात कही। इस अवसर पर महिपाल सिंह प्रांत मंत्री, रूपचंद चौहान, राजेश, विजय, रुनीत, मुकेश, शीश पाल, सतवीर , रमेश, करन सिंह सभापति सहकारी संघ कुंदरखी भूड़, नन्हे , अर्जुन सिंह, गौरव, लियाकत अली,रामवती, सुमरती , जयविंद्री, अनुराधा, सुमन, यादराम आदि मौजूद रहे।

ईद-उल-अजहा पर अमन-ओ-अमान और सफाई का ध्यान रखें, सरकार की गाइडलाइंस का पालन करें...मुफ्ती मोहम्मद गुलफाम राजा

संभल (सब का सपना):- ईद-उल-अजहा के मुबारक मौके पर ऑल इंडिया उलेमा व मशायख बोर्ड, ज़िला उपाध्यक्ष संभल, और अहले सुन्नत बिस्मिल्लाह मस्जिद सराय तरीन के इमाम व खतीब मुफ़्ती मोहम्मद गुलफाम रजा ने आम जनता से अपील की है कि वे कुबार्नी की प्रक्रिया में पूरी तरह से सरकार द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों और नियमों का पालन करें, ताकि शांति व्यवस्था बनी रहे और किसी भी तरह की अव्यवस्था पैदा न हो। मुफ़्ती साहब ने कहा कि ईद-उल-अजहा का पैगाम सिर्फ जानवरों की कुबार्नी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असली मकसद है त्याग, कुबार्नी, एकता और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देना। इसी भावना को ज़िंदा रखते हुए

हमें इस मौके पर विशेष रूप से सफाई, पड़ोसियों के अधिकारों और शहरी अनुशासन का खयाल रखना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि सरकार की ओर से जारी की गई गाइडलाइंस – जैसे कि तयशुदा स्थानों पर ही कुबार्नी करना, अवशेषों का सुरक्षित तरीके से निस्तारण करना, और सोशल मीडिया पर भड़काऊ सामग्री से परहेज करना – इन सब बातों का पालन करना हर नागरिक की ज़िम्मेदारी है। मुफ़्ती मोहम्मद गुलफाम रजा ने युवाओं से भी विशेष अपील की कि वे किसी भी प्रकार की उत्तेजक या ऐसी गतिविधियों से दूर रहें जो सांप्रदायिक सौहार्द को नुकसान पहुँचा सकती हों। उन्होंने कहा कि कुबार्नी एक धार्मिक कर्तव्य है, लेकिन इसके साथ-साथ सामाजिक ज़िम्मेदारी निभाना भी हम सभी का फर्ज. है। अंत में उन्होंने सभी मुसलमानों को ईद-उल-अजहा की अग्रिम शुभकामनाएँ देते हुए दुआ की कि यह ईद उम्मते मुसलिमा के लिए भलाई, बरकत और एकता का पैगाम लेकर आए।

सम्भल में कृषि क्षेत्र को मिला नया संबल

सर्वहितकारी एफपीओ और दौलत राइस एंड एग्रो प्रोडक्ट्स के बीच चावल निर्यात को लेकर एमओयू सम्पन्न

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- जनपद में आज एक ऐतिहासिक क्षण सामने आया जब सर्वहितकारी फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, नाघौस, बहजोई और दौलत राइस एंड एग्रो प्रोडक्ट्स, बहजोई के बीच एक महत्वपूर्ण एमओयू (अनुबंध) पर हस्ताक्षर किए गए। यह अनुबंध उत्तर प्रदेश कृषि निर्यात नीति 2019 के अंतर्गत किया गया है, जिसका उद्देश्य किसानों को वैश्विक बाजार से जोड़ना और उनकी आय में वृद्धि करना है।

इस अवसर पर जनपद सम्भल के जिलाधिकारी, कअर डॉ. राजेन्द्र पैंसिया की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिन्होंने इस अनुबंध को सम्भल जिले के किसानों के लिए एक नई दिशा की शुरूआत बताया। इस मौके पर सर्वहितकारी एफ पी ओ के प्रबंध निदेशक डॉ

पवन कुमार जैन, निदेशक सम्भव जैन एवं दौलत ग्रुप के निदेशक शिवम वार्ष्णेय व प्रदीप कुमार के हस्ताक्षर अनुबंध प्रपत्र पर कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम सम्भल की उपस्थिति में हुए। इस एमओयू के माध्यम से दोनों संस्थाएं मिलकर किसानों की उपज के मूल्यवर्धन, बेहतर विपणन और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कार्य करेंगी। इससे किसानों को न केवल बेहतर दाम मिलेंगे बल्कि उनकी उपज को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भी स्थान मिलेगा। इस कार्यक्रम का आयोजन कृषि विपणन एवं कृषि विदेश व्यापार निदेशालय उत्तर प्रदेश की देखरेख में सम्पन्न हुआ। यह कदम सम्भल जिले को कृषि व्यापार के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर है। इस अवसर पर उप कृषि निदेशक अरुण कुमार त्रिपाठी, एपीडा के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ रितेश शर्मा, जिला कृषि अधिकारी प्रबोध कुमार, जिला उद्यान अधिकारी सुघर सिंह, निरीक्षक कृषि विपणन अवनीश कुमार सिंह सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी व एफपीओ के कृषकगण उपस्थित रहे।

वैश्य एकता मंच ने किया पौधारोपण कार्यक्रम

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- विश्व पर्यावरण दिवस को दृष्टिगत रखते हुए एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में जागरूकता फैलाने व हरियाली को बढ़ावा देने हेतु वैश्य एकता मंच चंदौसी द्वारा नगर के स्टेशन रोड स्थित पंजाबी पार्क में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान वैश्य एकता मंच के अध्यक्ष लवित वार्ष्णेय व विधिक सलाहकार एड प्रवीण गुप्ता द्वारा पौधारोपण किया गया व उनके द्वारा बताया गया कि वृक्ष लगाना बहुत जरूरी है क्योंकि इससे पर्यावरण को फायदा होता है। पेड़ हवा को शुद्ध करते है और पानी को साफ रखते है और मिट्टी को बांधकर रखते हैं। जिससे बाढ़ और भूस्खलन जैसे प्राकृतिक आपदाओं

का खतरा कम होता है साथ ही नगर के लोगों से अनुरोध किया कि इस पुनीत कार्य में सहभागी बनकर प्रकृति के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें और इस पहल को सफल बनाएं। इस मौके पर महामंत्री आकाश वार्ष्णेय, तुषार क्रिस्टल, उपाध्यक्ष दीपेश वार्ष्णेय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बृजेश वार्ष्णेय, हेमंत वार्ष्णेय, मीडिया प्रभारी प्रथम वार्ष्णेय आदि लोग उपस्थित रहे।

अब महंगी जांच के लिए नहीं खर्च करना पड़ेगा पैसा

अमरोहा: क्षेत्र के लोगों के लिए अच्छी खबर है। अब उनको खून की महंगी जांच के लिए अपनी जेब ढीली नहीं करनी पड़ेगी। सीएचसी में खून की महंगी जांच शुरू हो गई है। सीबीसी व प्लेटलेट्स समेत अन्य जांच निःशुल्क हो रही हैं। मरीजों को जल्द ही डिजिटल एक्सरे की भी सुविधा मिलेगी। इसकी मशीन अस्पताल में आ चुकी है। धनौरा सीएचसी में अभी तक किट से होने वाली जांच की ही सुविधा थी। पिछले साल वायरल बुखार का प्रकोप होने पर लोगों ने प्लेटलेट्स

आदि की जांच कराने के लिए निजी पैथोलॉजी लैब का सहारा लिया था। इसके लिए मरीजों को काफी रुपया खर्च करना पड़ा था। बीते एक हफ्ते से सीएचसी में खून की जांच शुरू हो गई हैं। सीएचसी अधीक्षक डॉ. कुनाल शर्मा ने बताया कि अस्पताल में सीबीसी जांच शुरू हो गई है। इसमें हीमाग्लोबिन, प्लेटलेट्स, शुगर, लीवर, किडनी आदि की जांच निःशुल्क उपलब्ध है। रोजाना करीब नौ रोगियों की जांच हो रही है। जांच रिपोर्ट रोगी के मोबाइल पर भी भेजी जाएगी। अस्पताल में जल्द ही डिजिटल एक्सरे की सुविधा भी रोगियों को मिलेगी। इसकी मशीन आ चुकी है। अस्पताल में मशीन को इंस्टाल करने के लिए तकनीशियन का इंतजार किया जा रहा है।

बसपा नेता के रिवाल्वर से गोली मारकर बेटे ने जान दी

अमरोहा। बसपा नेता राम अवतार सिंह के बेटे अश्वनी (21) ने लाइसेंसी रिवाल्वर से कनपटी पर गोली मारकर आत्महत्या कर ली। यह रिवाल्वर बसपा नेता का था। घटना के समय बसपा नेता तथा अन्य परिजन मेरठ दवा लेने गए थे। अश्वनी दिल्ली में सीए फाइनल ईयर की पढ़ाई कर रहा था। घटना अमरोहा की आवास विकास प्रथम कॉलोनी की है। नौगांवा सादात थानाक्षेत्र के नया गांव खंडसाल कलां के मूल निवासी बसपा नेता राम अवतार सिंह इसी कॉलोनी में काफी समय से रहते हैं। वह और पत्नी किरन लता कुछ समय से अस्वस्थ हैं। सोमवार को राम अवतार सिंह अपनी पत्नी, बेटी शिवानी और भाई के बेटे लवलेश के साथ दवा लेने मेरठ गए थे। घर पर बेटा अश्वनी ही अकेला था। परिवार की घर वापसी से पहले ही किसी समय अश्वनी ने पिता के लाइसेंसी रिवाल्वर से गोली मारकर जान दे दी। परिजनों ने बताया कि सोमवार रात जब मेरठ से लौटे तो मेन गेट (फाटक) भीतर से लॉक था। ताला ड्डसा था, जिसे बाहर से भी खोल सकते थे। एक चाबी परिजनों के पास थी। इससे ताला खोलकर सभी छत के रिहायशी भाग में पहुंच गए। बेटे अश्वनी को वहां न देख मान लिया कि वह नीचे गेस्टरूम में सो गया होगा। कुछ समय बाद बेटी शिवानी नीचे पहुंची तो भाई को खून से लथपथ पड़ा देखा। उसके दाएं हाथ के पास पिता का रिवाल्वर पड़ा था। शिवानी की चीख निकल गई। इस पर परिवार के सभी लोग वहां पहुंचे और अश्वनी की आत्महत्या की जानकारी हुई। सूचना मिलते ही सीओ सिटी शक्ति सिंह, इंस्पेक्टर पंकज तोमर पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे। एएसपी ने भी घटनास्थल का मुआयना किया। एसपी अमित कुमार आनंद के निर्देश पर फोरेंसिक व फिंगरप्रिंट टीम ने मौके से नमूने लिए। पुलिस ने बताया कि मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। परिजन आत्महत्या का कारण नहीं समझ पा रहे हैं। मृतक का मोबाइल फोन, लैपटॉप और रिवाल्वर कब्जे में लेकर जांच की जा रही है। हो सकता है कि फोन से कुछ राज खुल सके।

जिलाधिकारी ने किया जिला संयुक्त चिकित्सालय का निरीक्षण

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया के द्वारा जिला संयुक्त चिकित्सालय सम्भल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने साफ सफाई की व्यवस्था को देखा और संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि अस्पताल में साफ सफाई को प्राथमिकता पर रखा जाए। उन्होंने नर्सिंग स्टेशन एवं मेजर ओटी को देखते हुए संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। प्रधानमंत्री दिव्यांग केंद्र एवं जन औषधि केंद्र के निर्माण को जिलाधिकारी ने कहा कि स्थान को चिन्हित करते हुए निर्माण कार्य शुरू किया जाए। जिलाधिकारी ने जिला संयुक्त चिकित्सालय परिसर में सहजन का पौधा भी रोपित किया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी संभल वंदना मिश्रा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका संभल डॉ मणिभूषण तिवारी सहित समस्त संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

किसानो को फसल विविधिकरण और मिश्रित खेती के बारे मे बताया

कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान प्रतिनिधि पंकज मलिक ने की

शामली (सबका सपना):- बुद्धवार को किवाना गाव विकास खण्ड कांधला मे किसान वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया। विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत प्राकृतिक खेती, जैविक खेती, जल संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य, फसल विविधिकरण, सहफसली और मिश्रित खेती के सम्बध मे जानकारी दी। कृषि विज्ञान केन्द्र वरिष्ठ वैज्ञानिक डा संदीप चौधरी ने बताया कि कृषि विविधिकरण कृषि को अधिक लाभकारी, टिकाऊ एवं जलवायु-लचीला बनाने के उद्देश्य से कृषि वैज्ञानिको द्वारा कृषि विविधिकरण को राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर प्राथमिकता दी जा रही है। इस पहल का उद्देश्य परंपरागत एकल फसल प्रणाली की बजाय विभिन्न प्रकार की फसलों, बागवानी, पशुपालन, मछली पालन, मधुमक्खी पालन एवं कृषि आधारित

गतिविधियों को एकीकृत करना है। कृषि विविधिकरण किसानों को जोखिम से सुरक्षा प्रदान करता है, साथ ही उन्हें कई स्त्रोतों से आय प्राप्त करने का अवसर भी देता है। यह प्रणाली जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने, मृदा की उर्वरता बनाए रखने एवं पोषण सुरक्षा को बढ़ावा देने में सहायक है। कृषि विविधिकरण के प्रमुख उद्देश्य से किसानों की आय में वृद्धि, एक ही भूमि से बहुविध उत्पादन, फसल जोखिम में कमी एवं खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना, संसाधनों का प्रभावी उपयोग और ग्रामीण रोजगार में वृद्धि के बारे मे विस्तृत जानकारी दी। सहफसली और मिश्रित खेती के सिद्धांत पर खेती करने के लिए प्रेरित किया। मृदा परीक्षण प्रयोगशाला प्रभारी सन्नी चौहान ने मृदा स्वास्थ्य कार्ड, पीएम-किसान, पीएम-फसल बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड जैसी योजनाओं के बारे मे किसानो को जागरूक किया। सहायक विकास अधिकारी (कृषि रक्षा) अजय तोमर ने किसानो को अटल भूजल अन्तर्गत जल संरक्षण एवं सूक्ष्म सिंचाई पद्धतियों पर जानकारी दी। सहायक विकास अधिकारी (कृषि) जयदेव उपाध्याय ने किसानो को लाईट ट्रेप, ल्यू ट्रेप, प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देते हुए जीवामृत, घनजीवामृत, बीजामृत, नीमास्त्र, दशपर्णी अर्क, छाछ से तैयार फफुद नाशक, ट्राईकोड्रमा और विवेरिया बेसियाना के बारे मे जानकारी दी। वित्ताय साक्षरता केन्द्र से आशीष कुमार ने बैकिंग योजना पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई, एपीवाई, एस. एस. वाई, की जानकारी दी। प्रधान प्रतिनिधि पंकज मलिक ने बताया कि देश के किसानों को आत्मनिर्भर, जागरूक एवं तकनीकी रूप से सशक्त बनाने की दिशा में विकसित कृषि संकल्प एक महत्वपूर्ण अभियान के रूप में आरंभ किया गया है।

यह अभियान कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे प्रमुख कार्यक्रमों और योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुँचाने का कार्य कर रहा है। सभी किसानो को कृषि विभाग से संचालित योजनाओ का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर अजय, भीम सिह, प्रताप, आजाद सिंह, हरपाल, बीरसैन, धीर सिंह, पंचायत सहायक गुड्डन, तेजपाल सिंह, विनुज कुमार, मोहित, सुधीर मलिक आदि मौजूद रहे।

19 दिन बीत जाने के बाद भी नाबालिग बेटी के अपहरण कताओं का पुलिस नहीं लगा पाई सुराग

सिंगाही-खीरी(सब का सपना):- थाना सिंगाही क्षेत्र में एक 17 वर्षीय किशोरी के अपहरण के मामले में पुलिस की सुस्त कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। घटना को 19 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक न तो मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी हो सकी है और न ही किशोरी का कोई सुराग लग पाया है। पीड़ित परिवार थाने से लेकर अधिकारियों तक न्याय की गुहार लगाता फिर रहा है, मगर कहीं से राहत नहीं मिल रही। सिंगाही थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने 19 मई 2025 को थाने में अपनी नाबालिग बेटी के अपहरण की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि 18/19 मई की रात गांव का ही युवक संदीप पुत्र मायाराम, अपनी बहन भाई दिलीप और मां के सहयोग से उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर

भगा ले गया परिजनों ने पहले अपने स्तर पर काफी खोजबीन की, लेकिन जब कोई सुराग नहीं मिला, तो आखिरकार थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई गई। मगर पुलिस की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि पुलिस तत्परता से काम करती, तो अब तक आरोपी पकड़े जा चुके होते और किशोरी भी सकुशल बरामद हो जाती। परिजनों का आरोप है कि पुलिस सिर्फ आश्वासन दे रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही। बताया जा रहा है कि मामले के विवेचना अधिकारी पहले भी कई बार विवादों में रह चुके हैं। उनके पिछले कार्यों को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें संवेदनशील मामलों की जिम्मेदारी दी जा रही है, जिससे पीड़ित परिवार को न्याय मिलने में बाधा आ रही है। पीड़ित किशोरी के माता-पिता ने मीडिया के माध्यम से जिला प्रशासन और पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाई है कि मामले को गंभीरता से लिया जाए और जल्द से जल्द आरोपियों को गिरफ्तार कर उनकी बेटी को सकुशल बरामद किया जाए। परिजनों का कहना है कि उन्हें हर बीतते दिन के साथ बेटी की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता सता रही है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले में कब तक गंभीर रुख अपनाता है और क्या पीड़ित परिवार को जल्द न्याय मिल पाएगा। इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर कानून-व्यवस्था और महिला सुरक्षा को लेकर प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जब इस मामले में सिंगाही थाना प्रभारी अजीत कुमार से बातचीत की गई तो उन्होंने बताया कोशिश जारी है।

विकास खंड निघासन में सरकार की योजनाओ को पलीता लगा रहे ज़िम्मेदार

सिंगाही/खीरी (सब का सपना):- विकास खंड निघासन की ग्राम पंचायत सुथना बरसोला तिकुनियां इन दिनों अव्यवस्थाओं की चपेट में है। सरकार की तमाम योजनाएं और दावे यहां महज कागजी साबित हो रहे हैं। गांव की जनता मूलभूत सुविधाओं के लिए जूझ रही है, जबकि पंचायत के जिम्मेदार झ ग्राम प्रधान और सचिव झ चुप्पी साधे हुए हैं। पंचायत के सुथना गांव की मेन रास्ते की हालत बेहद दयनीय है। कई सड़कों की हालत इतनी खराब है कि वहां चलना भी दूभर हो गया है। बारिश के दिनों में इन सड़कों पर पानी भर जाता है और कीचड़ से ग्रामीणों का निकलना मुश्किल हो जाता है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि कई वर्षों से जर्जर पड़ी सड़क की मरम्मत के लिए वे लगातार प्रधान से गुहार लगा रहे हैं, लेकिन हर बार "प्रस्ताव भेजा गया

है" कहकर बात टाल दी जाती है। हैरत की बात यह है कि जिन सड़कों का अस्तित्व ही नहीं था, उन्हें कागजों में दर्शाकर पहले निर्माण करा लिया गया। स्वच्छ भारत मिशन के तहत पंचायतों को बजट तो मिलता है, लेकिन जमीनी हकीकत इसके ठीक विपरीत है। गांव की गलियों में गंदगी पसरी हुई है, और कई जगह नालियां पूरी तरह से जाम हैं। नालियों में घास-फूस जमा है, जिससे पानी का बहाव रुक गया है और वह सड़कों पर फैल रहा है। स्थिति यह है कि कभी-कभार नालियों की सफाई करवा दी जाती है और उसके बाद इतिश्री कर खानापूर्ति कर ली जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गांव में समस्याएं दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही हैं, लेकिन प्रशासनिक मशीनरी पूरी तरह निष्क्रिय बनी हुई है। ग्राम पंचायत सुथना बरसोला की स्थिति मौजूदा ग्रामीण व्यवस्था की एक कड़वी तस्वीर पेश करती है, जहां योजनाएं सिर्फ फाइलों में सिमटी हैं और जनता समस्याओं के दलदल में फंसी हुई है। अब देखना यह होगा कि शासन-प्रशासन इस ओर कब तक ध्यान देता है और क्या वास्तव में गांव को मूलभूत सुविधाएं मिल पाती हैं या नहीं। पहली बारिश के बाद कई जगहों से नालियों से कहीं कहीं कचरा निकलवाया गया लेकिन उससे निकले कचरे को उठवाना पंचायत भूल गई। वह कचरा अब तक वहीं पड़ा है । एक हफ्ता बीत जाने के बाद भी जिम्मेदारों ने इस ओर कोई ध्यान नहीं गया है। इस संबंध में जब ग्राम विकास अधिकारी से बातचीत की गई तो उन्होंने बताया कि सफाई कार्य की शुरूआत की गई है और जहाँ-जहाँ आवश्यकता होगी, वहाँ सफाई करवाई जाएगी।

गंगा दशहरा के लिए हाईवे पर रूट डायवर्जन लागू, ब्रजघाट व तिगरीधाम में स्नान करने उमड़ेंगे श्रद्धालु

गजरौला। गंगा दशहरे पर ब्रजघाट व तिगरीधाम स्थित गंगा में स्नान करने के लिए भारी संख्या में श्रद्धालु उमड़ेंगे। इसके लिए पुलिस विभाग ने बुधवार की दोपहर दो बजे से हाईवे पर रूट डायवर्जन का निर्णय ले लिया है। सभी पुलिसकर्मी ड्यूटी पर तैनात हैं। दरअसल, गंगा दशहरा पर ब्रजघाट में हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, दिल्ली सहित एनसीआर क्षेत्र के भारी संख्या में श्रद्धालु आते हैं, जिनका आगमन शुरू हो गया है। ऐसी स्थिति में हाईवे पर वाहनों का लोड भी बढ़ जाता है, जिसकी वजह से फिर जाम की समस्या उत्पन्न होती है। इसलिए पुलिस ने एक दिन पहले बुधवार की दोपहर से हाईवे पर भारी वाहनों के संचालन पर प्रतिबंध लगाते हुए रूट डायवर्जन लागू कर दिया है। अब पांच जून की शाम तक यह वाहन बदले हुए मार्गों से गुजरेंगे। टीएसआइ अनुज तोमर ने बताया कि रूट डायवर्जन लागू हो गया है। सभी

भारी वाहन बदले हुए मार्गों से निकल रहे हैं। इन मार्गों से गुजरेंगे वाहन मुरादाबाद से दिल्ली की ओर जाने वाले भारी वाहनों को कांठ, स्योहारा, धामपुर, बिजनौर, बैराज, मीरापुर, मवाना, मेरठ, मोदीनगर, गाजियाबाद होते हुए दिल्ली भेजा जाएगा। मुरादाबाद से मेरठ-दिल्ली की ओर जाने वाला यातायात मुरादाबाद से टीएमयू के बराबर से अगवानपुर बाईपास, छजलैट, नूरपुर, बिजनौर, बैराज, मीरापुर, मवाना होते हुए मेरठ-दिल्ली भेजा जाएगा। बरेली से दिल्ली की ओर जाने वाला यातायात आंवला से शाहबाद, बिलारी, चंदौसी, बबराला से नरौरा होते हुए दिल्ली भेजा जाएगा। हापुड़ व मेरठ से गढ़ के मध्य से रामपुर की ओर जाने वाले भारी वाहन गढ़ चौपला हापुड़ से डायवर्ट कर बुलंदशहर, डिबाई, नरौरा, बबराला, बहजोई, चंदौसी, बिलारी, शाहबाद होते हुए रामपुर की ओर भेजा जाएगा। रामपुर से दिल्ली की ओर जाने वाले भारी वाहनों को शाहबाद से डायवर्ट कर बिलारी, चंदौसी, बबराला, नरौरा होते हुए दिल्ली की ओर भेजा जाएगा। चांदपुर से गजरौला होते हुए दिल्ली की ओर जाने वाले भारी वाहनों को बिजनौर बैराज, मवाना, मेरठ, गाजियाबाद होते हुए दिल्ली भेजा जाएगा। अमरोहा से दिल्ली की ओर जाने वाले वाहनों को शिवाला कलां, नूरपुर, बिजनौर, मेरठ, मवाना, गाजियाबाद होते हुए दिल्ली भेजा जाएगा। गढ़ चौपला से गजरौला जाने वाला यातायात हापुड़ से बुलंदशहर की ओर डायवर्ट कर अनूपशहर, संभल, हसनपुर, गजरौला होते हुए अमरोहा भेजा जाएगा। गजरौला चौपला से दिल्ली की ओर जाने वाले भारी वाहनों को गजरौला, हसनपुर, रहरा, गवां, अनूपशहर से बुलंदशहर होते हुए दिल्ली की ओर भेजा जाएगा। मंडी धनौरा से दिल्ली की ओर जाने वाले भारी वाहनों को चांदपुर, बिजनौर, मवाना, मेरठ होते हुए दिल्ली भेजा जाएगा।

सुल्तान और रहमान से ज्यादा लगे सोनू-मोनू के 'दाम', एक लाख रुपये लगी बकरों की बोली, कई जिलों से पहुंचे लोग

गजरौला। बकरीद की तैयारियां जोरों पर हैं। सात जून को त्योहार मनाया जाएगा। ऐसी स्थिति में बुधवार को लगे नखासा बाजार में कई जिलों के लोग अपने-अपने बकरों को बेचने और खरीद के लिए पहुंचे। सबसे महंगी बोली सोनू-मोनू नाम के बकरों की जोड़ी की लगी। इनकी कीमत एक लाख 10 हजार रुपये तक आंकी गई। बाकी बाजार में कई नस्ल के बकरे पहुंचे थे। तिगरी मार्ग पर पक्के पुल से सटकर प्रत्येक बुधवार को साप्ताहिक बाजार लगता है। यहां बिजनौर, अमरोहा, संभल और बुलंदशहर जिलों के लोग अपने बकरों को लेकर पहुंचे। बकरों की 10 हजार से लेकर एक लाख रुपये तक बोली है। अलग अलग नस्ल के बकरे बाजार में आए हैं। सुल्तान और रहमान के साथ सोनू-मोनू नामक बकरों की जोड़ी के दाम लगाए गए। बोली के दौरान सुल्तान-रहमान नाम के बकरों की कीमत 60 हजार लगी। जबकि सोनू-मोनू नाम के बकरों की जोड़ी की कीमत एक लाख 10 हजार लगी। बछरायूं के

मोहम्मद मुजम्मिल ने बताया कि उनके बकरों की जोड़ी की कीमत एक लाख 10 हजार रुपये है। बिजनौर के साहिल ने बताया कि 50 हजार रुपये की कीमत के कई बकरे यहां पर बिक भी चुके हैं। बुलंदशहर के रहने वाले एक कारोबारी के दो बकरे 90 हजार रुपये में भी बिके हैं। प्रत्येक बुधवार को पक्के पुल पर लगने वाले साप्ताहिक पशु बाजार में नियमों की अनदेखी हो रही है। यहां कई जिलों के पशु कारोबारी खरीद-फरोख्त के लिए पहुंचते हैं। लाइसेंस धारक बकरी-बकरे के दो सौ रुपये और गाय-भैंसा के चार सौ रुपये वसूलते हैं। यहां से लाखों रुपये की वसूली होती है। लेकिन सुविधाएं शून्य हैं। पशुओं के लिए न तो पानी की व्यवस्था है और न ही धूप से बचने के लिए कोई व्यापक इंतजाम हैं। इतना ही नहीं जो पर्ची पशु कारोबारी को दी जाती है। उस पर दाम भी नहीं लिखे जाते हैं। लाइसेंसधारक सुभाष शर्मा ने बताया कि पानी के लिए व्यवस्था होती है। कम रहती है तो उसे बढ़वाया जाएगा। छांव के लिए टैंट लगाए गए हैं।

आवारा कुत्तों का आतंक, हसनपुर में ली बारहसिंगा की जान

हसनपुर । तहसील क्षेत्र में जंगल में झुंड बनाकर घूम रहे आवारा कुत्ते अब बच्चों के बाद कमजोर गोवंशीय पशुओं और उनके लवारों के साथ जंगली जानवरों का शिकार कर रहे हैं। ताजा मामला तहसील क्षेत्र के गांव सुतावली का सामने आया है। बुधवार सुबह आवारा कुत्तों के झुंड ने बारहसिंगा पर हमला करके मार डाला। खेतों पर काम करने जा रहे किसानों ने देखा कि नवाबपुरा खादर निवासी जितेंद्र सिंह के गन्ने के खेत में बारहसिंगा को आठ-दस कुत्तों का झुंड घेर कर नोच रहा था।

किसानों ने लाठी डंडे लेकर कुत्तों के चुंगल से बारहसिंगा को छुड़ाया। लेकिन, कुत्तों के नोचने से अधिक जख्मी हो चुके बारहसिंगा की कुछ देर बाद मृत्यु हो गई। आवारा कुत्तों

के बारहसिंगा का शिकार करने की सूचना जंगल में तेल पर आग की तरह फैल गई। मौके पर भीड़ जमा हो गई। वन विभाग को मामले की सूचना दी गई। वन दारोगा सुमित कुमार के नेतृत्व में मौके पर पहुंची टीम बारहसिंगा का शव अपने साथ ले गई। हसनपुर : पिछले कुछ समय में आवारा कुत्ते हसनपुर तहसील क्षेत्र में बच्चों समेत 11 लोगों पर हमले कर जान ले चुके हैं। खास बात यह है कि अब बच्चों के साथ गोवंशीय कमजोर पशुओं, उनके लवारों और जंगली जानवरों का शिकार करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

हफ्ता भर पहले सकतपुर के जंगल में गोवंशीय पशु पर हमला करते हुए किसानों ने कुत्तों को भगाया था। घायल पशु की अगले दिन मृत्यु हो गई थी। बुधवार सुबह सुतावली के साकिब, वकील अहमद, शुऐब, बनने खां, श्योराज सिंह ने आवारा कुत्तों को बारहसिंगा का शिकार करते हुए अपनी आंखों से देखा है।

जिसे डॉक्टर ने मृत कर दिया था घोषित, अचानक से उसकी सांसें... परिवार में दौड़ी खुशी की लहर

हसनपुर/अमरोहा। अमरोहा हसनपुर मार्ग पर सांड़ की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हुए बाइक सवार युवक को गाजियाबाद के एक अस्पताल में इलाज के दौरान मृत घोषित कर दिया। स्वजन ने गाजियाबाद अस्पताल से हसनपुर पुलिस को मृत्यु की जानकारी दी। प्रभारी निरीक्षक वरुण कुमार ने उन्हें बताया कि यदि पोस्टमार्टम कराना चाहते हैं तो हसनपुर लाने के बजाय सीधे मोर्चरी ले जाएं। लेकिन, इसी बीच पीड़ित युवक के दिल की धड़कन लौट आई। स्वजन आनन-फानन में जिला अस्पताल ले गए। जहां उनका इलाज चल रहा है।

रजबपुर थाना क्षेत्र के गांव हाफिजपुर निवासी 40 वर्षीय मुनिदेव सोमवार रात हसनपुर से बाइक पर सवार होकर अपने गांव लौट रहे थे। सिर पर हेलमेट पहने थे लेकिन, रास्ते में

रझौहा में पेट्रोल पंप के नजदीक सड़क पर घूम रहे बेसहारा सांड़ से उनकी बाइक की जबरदस्त टक्कर हो गई। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए और सिर पर पहने हेलमेट के भी दो टुकड़े होकर दुघर्टना स्थल पर गिर गया। इलाज के दौरान कर दिया था मृत घोषित स्वजन उन्हें आनन-फानन में हसनपुर के एक प्राइवेट अस्पताल ले गए। जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया। स्वजन उन्हें गाजियाबाद ले गए। बकौल पुलिस मंगलवार दोपहर इलाज के दौरान उन्हें मृत घोषित कर दिया गया था। लेकिन, बाद में दिल की धड़कन लौट आई। अब अमरोहा जिला अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। सीएमएस डा. अश्विनी कुमार भंडारी ने बताया कि युवक की मस्तिष्क मृत्यु यानी वह कोमा में चला गया है। बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर करने की तैयारी चल रही है। प्रभारी निरीक्षक वरुण कुमार ने बताया कि सांड़ की टक्कर से घायल युवक की दोपहर में गाजियाबाद में मृत्यु होने की सूचना मिली थी। स्वजन को सीधे मोर्चरी ले जाने को कहा गया था। लेकिन, बाद में फोन आया कि उनके दिल की धड़कन लौट आई हैं। इसलिए, जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सोमवार रात को सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए मुनिदेव की मंगलवार दोपहर मौत होने की सूचना घर पहुंचने पर परिवार में चीत्कार मच गया। रिश्तेदार भी उनके घर पहुंच गए तथा शव आने का इंतजार होने लगा। लेकिन, इसी बीच सूचना मिली कि उनके दिल की धड़कन लौट आई हैं और वह जीवित हैं।

दिल्लीवासियों का सफर होगा आसान, रेखा सरकार गठित करने जा रही यूएमटीए; जानिए क्या होगा बदलाव?

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए एकीकृत महानगर परिवहन प्राधिकरण (यूएमटीए) गठित करने जा रही है। यूएमटीए के गठन का उद्देश्य सार्वजनिक परिवहन की विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है। परिवहन मंत्री डॉ. पंकज सिंह ने इस योजना के लिए कैबिनेट नोट तैयार करने की मंजूरी दे दी है। माना जा रहा है कि इस योजना को लेकर इस माह के अंत तक परिवहन विभाग कैबिनेट प्रस्ताव पेश कर सकता है। यूएमटीए महानगर क्षेत्रों में परिवहन प्रणालियों का अध्ययन कर उनका उनका मूल्यांकन करता ताकि उनकी प्रभावशीलता में सुधार किया जा सके। वायु प्रदूषण को कम करने में

मिलेगा मदद सरकार का मानना है कि सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को प्रोत्साहित करके वायु प्रदूषण को कम करने में भी इससे मदद मिल सकती है। दिल्ली की बात करें तो यहां दिल्ली परिवहन निगम, डिम्ट्स दिल्ली सरकार के लिए बसों का संचालन करती है। इसके अलावा दिल्ली मेट्रो रेल कार्पोरेशन सार्वजनिक परिवहन क्षेत्र की प्रमुख एजेंसी के रूप में शामिल हैं। कई अन्य एजेंसियां है जो उन सड़कों का रखरखाव करती हैं जिन सड़कों पर वाहन चलते हैं।इनमें लोक निर्माण विभाग, स्थानीय निकाय व भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण भी इसमें

दिल्ली सरकार सार्वजनिक परिवहन को बेहतर बनाने के लिए यूएमटीए का गठन करेगी। इसका उद्देश्य परिवहन एजेंसियों में समन्वय स्थापित करना है। परिवहन मंत्री ने कैबिनेट नोट को मंजूरी दी जिससे इस माह प्रस्ताव पेश किया जा सकता है। यूएमटीए परिवहन प्रणालियों का मूल्यांकन कर प्रभावशीलता बढ़ाएगा। सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने और प्रदूषण कम करने में मदद मिलेगी।

शामिल हैं। अभी कहां लागू है यह व्यवस्था? परिवहन विभाग इस पूरी योजना पर काम कर रहा है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, यातायात पुलिस, वित्त विभाग, शहरी विकास विकास विभाग भी इसमें शामिल होंगे।परिवहन क्षेत्र के विशेषज्ञों की मानें तो इन एक अच्छा प्रयास है उत्तर प्रदेश के कुछ शहरों में भी इसे लागू करने की बात चल रही है। अभी तक हैदराबाद में इसे लागू किया है। एकीकृत महानगर परिवहन प्राधिकरण बनने से क्या होगा फायदा? यहां बता दें कि यूएमटीए एक ऐसा प्राधिकरण है जो महानगर क्षेत्र में परिवहन प्रणालियों को एकीकृत करने और प्रबंधित करने के लिए स्थापित किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य विभिन्न परिवहन साधनों बस, ट्रेन, मेट्रो आदि को एक साथ जोड़ना होता है ताकि लोगों के लिए यात्रा करना आसान और प्रभावी हो सके। विभिन्न परिवहन साधनों के बीच समन्वय स्थापित करना इसका मुख्य उद्देश्य है। महानगर क्षेत्रों में यातायात की भीड़ को कम करने और यातायात के सुचारू प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए योजनाएं बनाना और कार्यान्वित करना भी इसके कार्यों में शामिल है। सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को प्रोत्साहित करना और लोगों को निजी वाहनों के बजाय सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने के लिए प्रेरित करना भी इसके कार्यों में शामिल है।

दिल्ली के गोविंदपुरी में फिर चला बुलडोजर, मिट्टी में मिल गए पक्के मकान; कोर्ट के आदेश पर रुकी कार्रवाई

दक्षिणी दिल्ली। गोविंदपुरी थाना क्षेत्र स्थित भूमिहीन कैंप पर सोमवार को एक बार फिर दिल्ली विकास प्राधिकरण का बुलडोजर चला। हालांकि दोपहर में ही हाई कोर्ट के आदेश पर कार्रवाई रोकनी पड़ी। टीम केवल चार मकान तोड़कर लौट गई। कैंप में कुल 3024 मकान थे। आधे से ज्यादा को मकान आवंटित करने के बाद दो वर्ष पहले डीडीए ने ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की थी। लगभग 30 प्रतिशत मकान ही तोड़ पाई थी। तब भी कोर्ट के आदेश पर कार्रवाई रोकनी पड़ी थी। भूमिहीन कैंप आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों के मुताबिक कैंप लगभग चार दशक पुराना है। यहां के 3024 निवासियों में से 1862 को "जहां झुग्गी वहीं मकान" के तहत आधा किलोमीटर दूर ही गोविंदपुरी में बने फ्लैट में आवास आवंटित किए गए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2 नवंबर 2022 को लाभार्थियों को आवास की चाभियां सौंपी थीं। इसके सात महीने बाद यानी छह जून 2023 को डीडीए टीम ने करीब 900 मकानों को ध्वस्त किया था। सोमवार सुबह 11 बजे भी टीम बिना किसी नोटिस के आ धमकी। तीन से चार मकान पर कार्रवाई की, उसके बाद दोपहर एक बजे लौट गई।

दिल्ली के सरकारी स्कूलों में लागू होगी नई शिक्षा नीति, इनको बनाया जाएगा लीडर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) - 2020 को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए दिल्ली सरकार ने सरकारी स्कूलों में नोडल शिक्षक नामित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह कदम शिक्षा प्रणाली में नीतिगत बदलावों को कक्षा तक पहुंचाने के उद्देश्य से उठाया गया है। शिक्षा निदेशालय, नई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी), दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और दिल्ली कैंटोनमेंट बोर्ड (डीसीबी) के अधीन आने वाले सभी स्कूलों से एक शिक्षक को नामित करने के निर्देश दिए गए हैं। ये शिक्षक स्कूल स्तर पर एनईपी गतिविधियों के समन्वयक और मार्गदर्शक की भूमिका निभाएंगे। राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) द्वारा चयनित शिक्षकों को तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसमें उन्हें एनईपी के विभिन्न पहलुओं, नीतिगत दस्तावेजीकरण, नेतृत्व कौशल और परिवर्तन प्रबंधन की जानकारी दी जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, नोडल शिक्षक मूलभूत साक्षरता, योग्यता आधारित शिक्षा, बहुभाषिकता, व्यावसायिक व अनुभवात्मक शिक्षा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देंगे।नोडल शिक्षकों की नामांकन प्रक्रिया गूगल फार्म के माध्यम से की जाएगी और आवेदन की आखिरी तारीख 15 जून तय की गई है। अंतिम चयन योग्यता, सिफारिशों और सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के आधार पर होगा। एक अधिकारी ने कहा कि नोडल शिक्षक केवल शिक्षक नहीं, बल्कि एनईपी-2020 के पालिसी एंबेसडर होंगे, जो शिक्षा व्यवस्था को भविष्य-उन्मुख और समावेशी बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे।

हार्डवेयर दुकानदार से चाकू की नोक पर की थी लूटपाट, अब पुलिस ने किया गिरफ्तार

बाहरी दिल्ली। सुल्तानपुरी थाना क्षेत्र में हार्डवेयर दुकानदार से चाकू की नोक पर 12 हजार रुपये लूट मामले में पुलिस ने एक नाबालिग समेत तीन आरोपितों को पकड़ा है। आरोपित से पुलिस ने एक चाकू और अपराध में इस्तेमाल एक बाकि बरामद की है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि 27 मई को कृष्ण विहार स्थित एक हार्डवेयर की दुकान से लूट की सूचना मिली। पीड़ित दुकानदार ने बताया कि शाम करीब 6 बजे जब वह अपनी दुकान पर थे, तभी चार लड़के काले रंग की मोटरसाइकिल पर आए। उनमें से एक बाइक पर बैठा रहा, जबकि अन्य तीन लड़के दुकान में घुसे और नट-बोल्ट मांगा। नट-बोल्ट देने पर

उन्होंने भुगतान के तौर पर 15 रुपये दिए। जब उन्होंने पैसे रखने के लिए काउंटर का दराज खोला, तो उनमें से एक लड़का अचानक दराज से नकदी छीनने का प्रयास किया। जब पीड़ित ने विरोध करने की कोशिश की, तो अन्य दो ने उसके हाथ पकड़ लिए और उनमें से एक ने उसे चाकू मारने की धमकी दी। आरोपित काउंटर से 12 हजार रुपये लूटकर फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर एसएचओ रविंदर मलिक के नेतृत्व में एक टीम बनाई गई। टीम ने करीब 300 सीसीटीवी फुटेज का सावधानीपूर्वक विश्लेषण किया। अपराध को अंजाम देने में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल की पहचान की गई। बाइक हरियाणा के चरखी दादरी निवासी मंदीप के नाम पर पंजीकृत था। गुप्त सूचना पर मंदीप के घर पर छापेमारी कर पकड़ लिया। लगातार पूछताछ करने पर मंदीप ने तीन साथियों राजन, प्रियांश उर्फ हैरी व एक नाबालिग के बारे में जानकारी दी। मंदीप के निशानदेही पर नाबालिग, राजन और प्रियांश को भी पकड़ लिया। लूट की रकम बरामद नहीं हुई है, आरोपितों ने बताया कि यह राशि बैंक खाते में जमा की गई है। एक फूड कंपनी में डिलीवरी ब्वॉय के तौर पर काम करता है, जो मंगोलपुरी में किराये पर रहता है।

पति को पत्नी पर था भाई से अवैध संबंध होने का शक, महिला को उतारा मौत के घाट; और फिर...

बाहरी दिल्ली। चचेरे भाई से अवैध संबंध के शक में पति ने अपनी पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर दी। सूचना पर पहुंची बवाना थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। तीन बच्चों को लेकर फरार आरोपित पति को पुलिस ने उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद से गिरफ्तार कर लिया। बाहरी उत्तरी जिला के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक जून को दोपहर करीब 1:30 बजे बवाना थाना पुलिस को महिला की हत्या की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने पाया कि महिला का शव किराये के मकान के एक कमरे में पड़ा है। जांच के दौरान पता चला कि मृतका

बवाना स्थित एक फैक्ट्री में काम करती थी। जो अपने पति बीरपाल (38) और अपने तीन बच्चों के साथ रहती थी। महिला की खोज तब हुई, जब दंपति की 18 वर्षीय बेटी फोन पर अपनी मां से संपर्क करने में असमर्थ रही। वह चिंतित हो गई। बेटी ने किसी रिश्तेदार को मां के घर जाकर देखने के लिए कहा। रिश्तेदार जब घर पहुंचा, तो कमरे का दरवाजा खुला हुआ था। जहां महिला का शव बेड पर पड़ा था। महिला का पति और उसके तीन बच्चे भी गायब थे। जांच के दौरान पता चला कि महिला कथित तौर पर अपने पति के चचेरे भाई के साथ संबंध में थी। पति ने उससे संबंध खत्म करने के लिए पत्नी से कहा भी था। बच्चों को लेकर शाहजहांपुर भागने की फिराक में था आरोपित आरोपित बीरपाल पत्नी की हत्या करने के बाद मुरादाबाद भाग गया था। गुप्त सूचना के आधार पर बीरपाल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपित यहां से अपने तीन बच्चों के साथ यूपी के शाहजहांपुर भागने की कोशिश कर रहा था। पूछताछ के दौरान आरोपित ने पुलिस को बताया कि उसका और उसकी पत्नी के बीच चचेरे भाई से अवैध संबंध को लेकर झगड़ा हुआ था। गुस्से में आकर उसने चुन्नी से पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर दी। फिर वह बच्चों के साथ फरार हो गया।

ई-विधानसभा के तहत सदन की व्यवस्थाओं में बदलाव पर काम शुरू, सदन होगा पेपरलेस

नई दिल्ली। दिल्ली में भाजपा सरकार आने के साथ विधानसभा सदन का नवीनीकरण का काम शुरू हुआ है। विशेष रूप से नेशनल ई-विधान एप्लिकेशन (नेवा) को लागू करने के दृष्टिगत से सदन में कुछ बदलाव किए जा रहे हैं और ई-विधानसभा के लिहाज से काम कराए जा रहे हैं। इस पहल के तहत आगामी मानसून सत्र से पहले विधानसभा को पूर्णतः पेपरलेस बनाया जाना निर्धारित है।विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने मंगलवार को चल रहे नवीनीकरण और आधुनिकीकरण कार्यों की समीक्षा

की। उन्होंने बताया कि यह कार्य तेज गति से प्रगति पर है। बता दें कि नए परिवर्तन के तहत दिल्ली विधानसभा के सदन में एक अत्याधुनिक डिजिटल कॉन्फ्रेंस और नेटवर्किंग सिस्टम लगाया जा रहा है, जो पारदर्शिता, कार्यक्षमता और कागजरहित शासन को बढ़ावा देगा। इस प्रणाली में स्मार्ट डेलीगेट यूनिट्स (माइक, वोटिंग पैनल, बहुभाषी अनुवाद सुविधा), विधानसूचियों और दस्तावेजों तक त्वरित पहुंच के लिए सदस्यों के लिए आईपैड , एचडी कैमरा और केंद्रीकृत नियंत्रण के साथ ऑटोमेटेड ऑडियो-वीडियो सिस्टम तथा एक मजबूत और सुरक्षित नेटवर्किंग प्रणाली पावर बैकअप सहित लगाई जा रही है।इन उच्च तकनीकी सुविधाओं से विधायकों को सदन में अपने कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से करने में मदद मिलेगी।

दिल्ली के इस चौराहे पर हरदम जाम और दुर्घटना का डर, अनदेखी कर रहे चालक

दक्षिणी दिल्ली। सुगम यातायात के लिए मूलचंद चौराहे पर शुरू क्रास ट्रैफिक मूवमेंट अब ट्रैफिक विभाग की ही परेशानी बढ़ा रहा है। रिंग रोड पर आश्रम से एम्स आने-जाने के लिए अंडरपास और जेबी टिटो मार्ग से आईटीओ के लिए फ्लाईओवर सुनिश्चित करते हुए ट्रैफिक विभाग ने हाल ही में सर्फेस (जमीनी स्तर) पर क्रॉस मूवमेंट की व्यवस्था लागू की है। जगह-जगह इसके निर्देश वाला पोस्टर लगाकर अंडरपास व फ्लाईओवर के इस्तेमाल की हिदायत दी। बावजूद इसके नए वाहन चालक या जल्दबाजी में लोग अंडरपास या फ्लाईओवर की बजाय सर्फेस का ही इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे जहां मूलचंद चौराहे पर जाम लग रहा है, वहीं दुर्घटना की भी आशंका बनी रहती है। ट्रैफिक विभाग ने रिंग रोड पर लाजपत नगर से आगे डिवाइडर पर पोस्टर लगा रखे हैं। एम्स जाने वालों को अंडरपास का ही इस्तेमाल करने का स्पष्ट निर्देश है। वहीं अंडरपास के मुहाने पर भी पोस्टर लगाए हैं। ऐसा ही एम्स से आश्रम की ओर जाने वाले मार्ग पर भी किया गया है। वहीं टिटो मार्ग से आइटीओ

आने व जाने वालों के लिए ऐसे ही निर्देश वाला पोस्टर लगाकर फ्लाईओवर के इस्तेमाल की हिदायत दी गई है। पोस्टरों के फांट और कलर एकदम से विजिबल नहीं हैं। इसके चलते वाहन चालक निर्देशों का पालन करने से चूक रहे हैं। क्रॉस मूवमेंट वाले चौराहे पर सीधे-सीधे निकलने की कोशिश कर रहे हैं। इससे दुर्घटना होने के चांस बढ़ गए हैं। दो जून को दोपहर लगभग डेढ़ बजे ऐसा ही हादसा हुआ। आश्रम की ओर से बाइक चालक अंडरपास की बजाय चौराहे पर आ गया और एम्स की तरफ जाने लगा। इस बीच एम्स की तरफ से चिराग दिल्ली के क्रास मूवमेंट के लिए ग्रीन सिग्नल हो गया। बुलेट सवार भी तेजी से चिराग दिल्ली की ओर बढ़ा, जिससे उसकी बाइक सवार से टक्कर हो गई। बाइक सवार वहीं गिर पड़ा। आस-पास के लोग दौड़ा और उसे उठाया। गनीमत रही कि घटना में किसी को चोट नहीं आयी। सुधार से प्रभावी बन सकती है नई व्यवस्था डिवाइडर पर जो पोस्टर लगे हैं, उसका कलर और फांट कम विजिबल हैं। वाहन चालक चलते हुए पोस्टर का लंबा निर्देश पढ़ने में असमर्थ होते हैं। दिशा संबंधी निर्देश न्यूनतम शब्दों और बड़े फांट में एरो से साथ दशाएं। आश्रम से एम्स आने-जाने वाले सीधे रास्ते को चौराहे पर बैरिकेट लगाकर अस्थाई रूप से बंद नहीं किया गया।

दिल्ली के चिड़ियाघर में अनंत अंबानी के वनतारा की एंट्री, टीम ने किया चिड़ियाघर का दौरा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय प्राणी उद्यान, दिल्ली और रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी द्वारा गुजरात में संचालित वनतारा वन्यजीवों के संरक्षण, बचाव और पुनर्वास के लिए जल्द ही एक साथ नजर आएंगे। सूत्रों के मुताबिक पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सचिव तन्मय कुमार और वनतारा यानि जीजेडआरआरसी (ग्रीन्स जूलाजिकल रेस्क्यू एंड रिसर्च सेंटर) के बीच इस संबंध में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए हैं। मंत्रालय से जुड़े सूत्रों के मुताबिक सचिव व वनतारा के बीच हुए समझौते के तहत दिल्ली चिड़ियाघर और वनतारा के बीच कई संयुक्त गतिविधियों की सहमित है। इनमें वन्यजीवों के स्वास्थ्य और कल्याण को बेहतर बनाना, प्रजातियों के आदान-प्रदान। इसके अलावा कर्मचारियों में प्रशिक्षण के जरिए क्षमता निर्माण, वैज्ञानिक प्रबंधन पर परामर्श, प्रजनन संबंधी तकनीकी सहयोग और चिड़ियाघर डिजाइन व आगंतुक सेवा पर तकनीकी मदद शामिल है। वनतारा की टीम ने किया चिड़ियाघर का दौरा इस समझौते के बाद शनिवार और रविवार को वनतारा की एक आठ सदस्यीय टीम ने दिल्ली चिड़ियाघर का दौरा भी किया था। इसमें पशु चिकित्सक, साइट प्रबंधक, रसोईघर प्रबंधन, पशु समन्वय, इंटरप्रिटेशन और प्रेजेंटेशन। डिस्पैच, कंट्रोल रूम ऑपरेशन और सुरक्षा प्रोटोकाल के अधिकारी आए थे। सूत्रों के मुताबिक वनतारा के अधिकारियों के दौरे का उद्देश्य पशु संरक्षण गतिविधियों, पशु स्वास्थ्य सेवाओं और बुनियादी ढांचे का निरीक्षण करने के साथ भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा करना था। चिड़ियाघर में आधुनिकीकरण के लिए केंद्र से मिलेंगे 456 करोड़ चिड़ियाघर के निदेशक डा. संजीत कुमार ने बताया कि इस संबंध में एक ड्राफ्ट तैयार कर जीजेडआरआरसी और गुजरात सरकार को भेजा गया था।इसी क्रम में पर्यावरण मंत्रालय को दिल्ली के चिड़ियाघर में आधुनिकीकरण से जुड़े प्रस्ताव को लेकर एक अवधारणा नोट भी सौंपा गया था। इस अवधारणा नोट में वन्यजीवों के बाड़ों का पुनर्विकास, नई संरचनाओं का निर्माण, आगंतुक सुविधाओं में सुधार, पशु चिकित्सा सेवाएं, शिक्षा से जुड़े केंद्र, और चिड़ियाघर के बाहरी हिस्से का विकास शामिल था। चिड़ियाघर के अधिकारियों मुताबिक ये सभी योजनाएं सरकारी फंडिंग के जरिए पूरी की जाएंगी। सूत्रों के मुताबिक इस विकास को लेकर दिल्ली चिड़ियाघर को 456 करोड़ रुपये की फंडिंग की फाइल को भी मंजूरी दे दी गई है। सूत्रों के मुताबिक दिल्ली चिड़ियाघर आगे चलकर सोसाइटी मोड पर काम कर सकता है। चिड़ियाघर प्रशासन का मानना है कि इस सहयोग से न केवल जानवरों की देखभाल में सुधार होगा, बल्कि स्टाफ के प्रशिक्षण, वैज्ञानिक कार्यप्रणालियों और जनशिक्षा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति की जा सकेगी।

दिल्ली के चांदनी चौक में दिनदहाड़े लूट से व्यापारियों में हड़कंप, थोक बाजारों की बढ़ाई चिंता

नई दिल्ली। नील कटरा की एक दुकान में हवाई फायरिंग कर दिनदहाड़े 35 लाख रुपये की लूट से चांदनी चौक के साथ ही पुरानी दिल्ली के थोक व्यापारियों में भय का माहौल है। अक्सर पुरानी दिल्ली के थोक बाजारों में लूट की घटनाएं घटित होती रहती है, जिस पर लगाम नहीं लग पा रहा है। व्यापारियों की चिंता इसलिए बढ़ती जा रही है क्योंकि यह क्षेत्र दिल्ली ही नहीं बल्कि देश का प्रमुख कारोबारी स्थान है। जहां दूसरे राज्यों से खरीदार आते हैं। प्रतिदिन करोड़ों रुपये का कारोबार होता है। अगर इन घटनाओं पर रोक नहीं लगा तो पुरानी दिल्ली के कारोबार पर इसका गहरा असर पड़ सकता है। पुरानी दिल्ली में न सिर्फ कपड़े बल्कि ज्वेलरी, सूखे मेवे, साइकिल, अनाज, इलेक्ट्रानिक्स और इलेक्ट्रिक उत्पाद समेत अन्य उत्पादों का थोक कारोबार होता है। लाखों कारोबारी आते हैं, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था नाकाफी है। दिल्ली हिंदुस्तानी मर्केंटाइल एसोसिएशन (डीएचएमए) के महासचिव श्री भगवान बंसल बताते हैं कि पहले नील कटरा के ठीक बाहर तथा फतेहपुरी चौक के नजदीक पुलिस चौकी थी। जिससे कारोबारी सुरक्षित महसूस करते थे। उक्त दोनों चौकी को हटा दिया गया है। इसी तरह, गश्त बढ़ाई जानी चाहिए। इन्हीं सब चिंताओं को लेकर डीएचएमए और दिल्ली व्यापार महासंघ (डीवीएम) के व्यापारियों का प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को सेंट्रल रेंज के संयुक्त पुलिस आयुक्त (ज्वाइंट सीपी) बीएस जायसवाल से मिला तथा घटनाक्रमों पर चिंता जताई। इसके साथ ही चांदनी चौक समेत पुरानी दिल्ली के बाजारों में सुरक्षा व्यवस्था बेहतर करने, नई पुलिस चौकियों की स्थापना समेत अन्य मांग की, वहीं, ज्वाइंट सीपी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त करते हुए बताया कि नील कटरा लूट मामले में पुलिस, अपराधियों को पकड़ने के बेहद करीब है। जल्द ही आरोपितों को गिरफ्तार कर लूट की रकम बरामद कर ली जाएगी। प्रतिधिनिमंडल में डीवीएम के अध्यक्ष देवराज बवेजा व उपाध्यक्ष राजेंद्र कपूर के साथ ही डीएचएमए के अध्यक्ष मुकेश सचदेवा व महासचिव भगवान बंसल मौजूद रहे।

दिल्ली के चांदनी चौक में कपड़ा व्यापारी से 35 लाख लूटने के मामले में पुलिस की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली। पुरानी दिल्ली के चांदनी चौक स्थित कटरा नील में एक कपड़ा व्यापारी के आफिस से दिनदहाड़े 35 लाख रुपए लूटने के मामले में पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है। सूत्रों के मुताबिक, वे मामले में किसी संभावित अंदरूनी व्यक्ति की भूमिका की जांच कर रहे हैं। बता दें कि हथियारबंद बदमाशों ने सोमवार को चांदनी चौक के कटरा नील बिल्डिंग में एक कपड़ा व्यवसायी के कार्यालय पर धावा बोलते हुए गोलीबारी की और करीब 35 लाख रुपये की नकदी लेकर भाग गए थे। पुलिस के मुताबिक, इस अपराध में तीन लोग शामिल थे। हमलावरों ने पहले कार्यालय के शीशे के गेट पर गोलियां चलाईं और कार्यालय में घुसकर व्यापारी पर पिस्टल तान दी और नकदी से भरा बैग लेकर फरार हो गए। सूचना पर स्थानीय पुलिस की एक टीम घटनास्थल पर पहुंची और पीड़ित विक्की जैन नामक व्यवसायी से मुलाकात की, जो अपने कार्यालय से कपड़ा का व्यवसाय चलाता है। पुलिस ने पाया कि कार्यालय का कांच का दरवाजा टूटा हुआ था, जो जबरन प्रवेश का संकेत देता है। पूछताछ के दौरान जैन ने अधिकारियों को बताया कि घटना दोपहर 2 बजे के आसपास हुई। उन्होंने बताया कि नकाब पहने दो अज्ञात व्यक्ति उनके कार्यालय में आए और अचानक कांच के दरवाजे पर गोलियां चला दीं, जिससे वह टूट गया और अफरा-तफरी मच गई थी।

देश के 27 राज्यों में फैला कोरोना का नया वैरिएंट, एडवाइजरी जारी

-अस्पतालों में मॉक ड्रिल के आदेश, मास्क पहनना किया अनिवार्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कोरोना मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। मंगलवार को 300 नए केस सामने आए थे। सबसे ज्यादा गुजरात में 108 और महाराष्ट्र में 86 मामले सामने आए। इस तरह देश में सक्रिय केसों की संख्या 4302 हो गई है। कोरोना 27 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में अपने पैर पसार चुका है।

हालांकि 9 राज्यों में अब तक एक भी मामला सामने नहीं आया है। सबसे ज्यादा 1373 एक्टिव केस केरल में हैं। वहीं महाराष्ट्र 510 केसों के साथ दूसरे नंबर है। कोरोना के नए वैरिएंट्स से देश में जनवरी से अब तक 44 मौतें हो चुकी हैं। इनमें से 37 मरीजों की मौत बीते 5 दिन में हुई है। महाराष्ट्र में मंगलवार को 4 मरीजों की मौत हो गई। राज्य में मरने वाला की संख्या 14 हो गई है। इसके अलावा बीते दिन दिल्ली, गुजरात और तमिलनाडु में भी 1-1 मौत हो चुकी है।

हिमाचल प्रदेश में मंगलवार को कोरोना का पहला मामला सामने आया था। इसके बाद राज्य सरकार ने देर रात एडवाइजरी जारी कर सभी हॉस्पिटल में मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया है। वहीं केरल सरकार ने नई गाइडलाइन जारी कर सभी सरकारी और प्राइवेट हॉस्पिटल को मॉक ड्रिल कराने का आदेश दिया है। देश में कोरोना के सबसे ज्यादा सक्रिय केस केरल राज्य में हैं। इसको देखते हुए राज्य सरकार ने बुधवार को हॉस्पिटल और हेल्थ वर्कर्स के लिए गाइडलाइंस जारी की है। इसके तहत राज्य के सभी हॉस्पिटल्स में मॉक ड्रिल होगी। इस दौरान कोरोना से बचाव के तरीकों को बताया जाएगा। साथ ही सर्दी, जुकाम, खांसी और बुखार जैसे लक्षण वाले मरीजों का कोविड टेस्ट अनिवार्य कर दिया है। हॉस्पिटल में मास्क लगाने के बाद ही एंट्री मिलेगी।

केंद्रीय स्वास्थ्य और आयुष राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग और आयुष मंत्रालय पूरी तरह से सतर्क है। सभी राज्यों के हालात पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि पिछली कोविड लहरों के दौरान बने ऑक्सीजन प्लांट, आईसीयू बेड जैसी चीजों की समीक्षा हो चुकी है। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को कहा था कि कोविड की अगली महामारी अभी खत्म नहीं हुई है, बल्कि यह अभी भी सक्रिय है। कोर्ट ने केंद्र सरकार से सैंपल कलेक्शन सेंटर और ट्रांसपोर्ट पॉलिसी को लेकर की गई तैयारियों की जानकारी मांगी है। कोर्ट ने कहा कि 30 मई 2023 को हुई बैठक के बाद जो भी फैसले लिए गए, उन्हें लागू करने में अगर कोई खालीपन है तो यह गंभीर मामला है। जस्टिस गिरीश कथपालिया ने कहा कि यह मानकर चलना चाहिए कि जरूरी कदम और प्रोटोकॉल तय किए जा चुके होंगे, लेकिन संबंधित अधिकारियों को इसे रिकॉर्ड पर लाना चाहिए।

लुधियाना में उप-चुनाव, कांग्रेस के स्टार प्रचारकों की सूची में गायब नवजोत सिंह सिद्धू

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब के लुधियाना में 19 जून को उप-चुनाव होना है। इससे पहले अपने उम्मीदवार को मजबूत करने और उसके पक्ष में चुनाव प्रचार करने के लिए कांग्रेस हाईकमान ने स्टार प्रचारकों की सूची जारी की है। इस सूची में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू का नाम नहीं है। सिद्धू कांग्रेस पार्टी के बड़े वक्ता है। उनका स्टार प्रचारकों में नाम न होने से चर्चाओं का दौर शुरु हो गया है। वहीं सूची में सबसे ऊपर नाम भूपेश बघेल का है। वहीं दूसरी ओर राहुल गांधी के अमेठी से सांसद किशोरी लाल शर्मा भी उप-चुनाव में मोर्चा संभालने वाले है। किशोरी लाल ने पूर्व केन्द्रीय मंत्री और कलाकार स्मृति ईरानी को हराया। वहीं किशोरी खुद भी लुधियाना में कांग्रेस की सेवा कर चुके है। उनका लुधियाना से जमीनी नाता है। किशोरी लाल का परिवार अभी भी लुधियाना में ही रहता है। कांग्रेस उम्मीदवार भारत भूषण आशू के पक्ष में कुल 40 स्टार प्रचारक उप चुनाव में प्रचार के लिए आ रहे है। इन स्टार प्रचारकों में मुख्य चेहरे सचिन पायलट, मनीष तिवारी, अदाकार राज बबर, मोहम्मद सदीक और कन्हैया कुमार है। हिमाचल के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू और डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री का नाम भी लिस्ट में शामिल किया गया है। वहीं प्रदेश प्रधान अमरिंदर सिंह राजा, वड़िंग प्रताप सिंह बाजवा, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, सुखपाल सिंह खैहरा आदि के नाम भी प्रमुख है।

हाईकोर्ट ने राहुल गांधी को लगाई फटकार, कहा- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता उचित प्रतिबंधों के अधीन

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भारतीय सेना पर कथित अपमानजनक टिप्पणी के लिए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के नेता राहुल गांधी को फटकार लगाई है। हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने कहा कि 'संविधान का अनुच्छेद 19(1)(ए) भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी देता है,' फिर भी यह उचित प्रतिबंधों के अधीन है। न्यायालय ने आगे कहा कि अनुच्छेद 19 (1) (ए) उन बयानों पर लागू नहीं होता है जो 'भारतीय सेना के लिए अपमानजनक' हैं। 'इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत के संविधान का अनुच्छेद 19(1)(ए) भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी देता है, यह स्वतंत्रता उचित प्रतिबंधों के अधीन है और इसमें किसी व्यक्ति या भारतीय सेना के लिए अपमानजनक बयान देने की स्वतंत्रता शामिल नहीं है।' पिछले सप्ताह सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी ने भारतीय सेना के बारे में कथित अपमानजनक टिप्पणी पर निचली अदालत के समन को चुनौती देने वाली राहुल गांधी की याचिका को खारिज कर दिया था। आदेश पारित करने वाले न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी ने कहा कि अगले सप्ताह विस्तृत निर्णय सुनाया जाएगा। सरकार की कानूनी टीम ने तर्क दिया कि गांधी की याचिका स्वीकार्य नहीं है, क्योंकि उनके पास सत्र न्यायालय में अपील करने का विकल्प था। उन्होंने दावा किया कि शिकायत और गवाहों के बयानों के आधार पर प्रथम दृष्टया मामला बनता है। गांधी के वकील ने तर्क दिया कि शिकायत राजनीति से प्रेरित है और इसमें कोई दम नहीं है। यह मामला उदय शंकर श्रीवास्तव द्वारा दायर की गई शिकायत से उपजा है, जिन्होंने आरोप लगाया था कि गांधी ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान अपमानजनक टिप्पणी की थी।

राष्ट्रद्रोह वाद में कंगना रणौत को फिर नोटिस जारी, 30 जून को होगी अगली सुनवाई

आगरा(एजेंसी)। भाजपा सांसद एवं फिल्म अभिनेत्री कंगना रणौत के खिलाफ अधिवक्ता ने राष्ट्रद्रोह वाद दायर किया था। एमपी-एमएलए कोर्ट अनुज कुमार सिंह छह मई को खारिज कर दिया था। वादी अधिवक्ता ने सत्र न्यायालय में रिवीजन किया। जिला जज संजय कुमार मलिक ने फिर से कंगना को नोटिस जारी करने के आदेश दिए। 30 जून को अगली सुनवाई होगी। राजीव गांधी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता रमाशंकर शर्मा ने किसानों पर अभद्र टिप्पणी और स्वतंत्रता सेनानियों के अपमान का आरोप लगाकर 11 सितंबर, 2024 को कंगना रणौत के खिलाफ कोर्ट में वाद दायर किया था। कोर्ट ने कंगना रणौत को पक्ष रखने के लिए हिमाचल प्रदेश स्थित कुल्लू मनाली और दिल्ली के पते पर तीन नोटिस भेजे थे। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद कोर्ट ने वाद खारिज कर दिया था। कहा था कि वादी अधिवक्ता के परिवार से किसानों के धरने में कोई मौजूद नहीं था। वाद प्रस्तुत करने से पहले भी राज्य सरकार, जिलाधिकारी से अनुमति नहीं ली थी। अगली सुनवाई 30 जून को होगी।

सीमावर्ती देशों के लिए एफडीआई नीति में कोई बदलाव नहीं : सरकारी सूत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने स्पष्ट किया है कि भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यह बयान उन मीडिया रिपोर्ट्स के बाद आया है, जिनमें दावा किया गया था कि चीन से आने वाले एफडीआई आवेदनों की प्रक्रिया में ढील दी गई है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, वर्ष 2020 में जारी 'प्रेस नोट 3' अभी भी पूरी तरह प्रभावी है। इसके तहत चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, म्यांमार और अफगानिस्तान जैसे सीमावर्ती देशों से निवेश करने वालों को किसी भी क्षेत्र में निवेश से पहले सरकारी मंजूरी अनिवार्य है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, कि प्रेस नोट 3 भारत के सभी सीमावर्ती देशों पर समान रूप से लागू है और इसके बाद से एफडीआई नीति में कोई बदलाव नहीं किया गया है। वर्तमान में गृह सचिव की अध्यक्षता में एक अंतर-मंत्रालयी समिति 'प्रेस नोट 3' के अंतर्गत आने वाले एफडीआई आवेदनों पर विचार करती है।

रोजमर्रा के जीवन में एआई की भूमिका को लेकर भारतीय सबसे ज्यादा खुश

नई दिल्ली। रोजमर्रा के जीवन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की बढ़ती भूमिका को लेकर दुनिया में भारतीय सबसे ज्यादा खुश हैं। एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई कि एक सर्वे से पता चला है कि भारत में 30 फीसदी लोग एआई के विकास को लेकर खुश हैं। इसके अलावा रिपोर्ट में बताया गया कि भारत के 27 फीसदी पार्टिसिपेंट्स एआई को लेकर आशावादी दृष्टिकोण रखते हैं। वहीं सर्वे में 55 फीसदी भारतीयों ने एआई के साथ उच्च इंगेजमेंट की संभावना जताई, उसके बाद 51 फीसदी के साथ यूएई और 48 फीसदी इंडोनेशिया का नंबर आता है। इसके अलावा सर्वे में कहा गया कि दुनिया भर में केवल 16 फीसदी पार्टिसिपेंट्स एआई के भविष्य के प्रभाव को लेकर आशावादी हैं, जबकि 7 फीसदी लोगों का कहना है कि वे इससे खुश हैं। सबसे ज्यादा आशावादी लोग हांगकांग के हैं, जहां 33 फीसदी लोगों ने एआई को लेकर सकारात्मकता दिखाई। यूएई के 21 फीसदी एआई के विकास को लेकर उत्साहित हैं। सर्वे से यह भी पता चला है कि अगले दशक में रोजमर्रा की जिंदगी में एआई की बढ़ती भूमिका के प्रति वैश्विक दृष्टिकोण, आशावाद की तुलना में सतर्कता की ओर ज्यादा झुका हुआ है। दुनिया भर में 22 फीसदी पार्टिसिपेंट्स ने एआई के उदय के बारे में सतर्क रहने की जरुरत बताई। भारत में केवल 13 फीसदी पार्टिसिपेंट्स ने सतर्कता व्यक्त की। इसकी तुलना में 34 फीसदी इंडोनेशियाई, 33 फीसदी पोलिश, 30 फीसदी फ्रांसीसी, 27 फीसदी सिंगापुर और 26 फीसदी स्पेनिश एआई को लेकर सतर्क हैं। इस बीच ग्लोबल पार्टिसिपेंट्स में से 17 फीसदी एआई को लेकर चिंतित हैं। सबसे ज्यादा 27 फीसदी फ्रांस, 26 फीसदी अमेरिका और 25 फीसदी ग्रेट ब्रिटेन के लोग एआई को लेकर परेशान हैं। तुलनात्मक रूप से केवल 8 फीसदी भारतीय पार्टिसिपेंट्स ने एआई को लेकर चिंता जताई है। यह डेटा 17 बाजारों में 18 साल से ज्यादा की आयु के वयस्कों के आधार की गई है।

राहुल गांधी ने मोदी सरकार को घेरा तो भाजपा बोली- चीन-पाकिस्तान के पेड एजेंट जैसे हैं राहुल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को मध्य प्रदेश दौरे के दौरान भोपाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए सरेंडर शब्द का इस्तेमाल किया था, जिसे लेकर अब भाजपा ने उन पर हमला बोला है। भाजपा प्रवक्ता और सांसद संबित पात्रा ने राहुल पर निशाना साधते हुए उन्हें देश और सेना का अपमान करने वाला बताया है।

भाजपा प्रवक्ता पात्रा ने कहा, कि राहुल गांधी बार-बार जिस तरह के सवाल और बयान दे रहे हैं, उससे संदेह होता है कि वे कहीं चीन या पाकिस्तान के पेड एजेंट तो नहीं हैं।

दरअसल, राहुल गांधी ने मंगलवार को भोपाल में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए ऑपरेशन सिंदूर और पीएम मोदी को लेकर बयान देते हुए कहा था, ट्रंप का एक फोन आया और नरेंद्र जी तुरंत सरेंडर हो गए। इसके साथ ही राहुल गांधी ने भाजपा और आरएसएस को भी निशाने पर लिया था। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए संबित पात्रा ने कहा, कोई भी सभ्य नेता अपने देश के प्रधानमंत्री के लिए सरेंडर जैसा शब्द इस्तेमाल नहीं करेगा। यह न केवल प्रधानमंत्री का, बल्कि सेना और पूरे देश का अपमान है। पात्रा ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेते हुए पाकिस्तान के अंदर नौ आतंकी लॉन्चपैड और 11 एयरबेस तबाह किए थे। उन्होंने कहा, ऐसे सशक्त जवाब के बावजूद राहुल गांधी इस ऑपरेशन का मजाक उड़ाते हैं और भारत को सरेंडर करने वाला देश बताते हैं। भाजपा ने कांग्रेस से इस बयान पर माफी मांगने की बात कही है।

सुंदरबन के रास्ते घुसपैठ रोकने के लिए बीएसएफ ने डीआरडीओ से मांगी मदद

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुंदरबन में यह हाईटेक निगरानी व्यवस्था ऐसे समय में लाई जा रही है जब सुरक्षा एजेंसियों को पूर्वी सीमा की पोरोसिटी को लेकर गहरी चिंता है। एजेंसियों का मानना है कि अगर इस सीमा को जल्द से जल्द तकनीकी सहायता से सुरक्षित नहीं किया गया, तो अवैध आव्रजन और आतंकवादी घुसपैठ को रोकने के प्रयास प्रभावित हो सकते हैं। केंद्र सरकार पहले ही सीमा क्षेत्रों में अतिरिक्त बल तैनात कर चुकी है, निर्वासन की प्रक्रिया को तेज किया गया है और विभिन्न एजेंसियों के बीच खुफिया समन्वय को मजबूत किया जा रहा है। सुंदरबन पर विशेष फोकस इसी रणनीति का हिस्सा है।सीमा सुरक्षा बल ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्थित संवेदनशील 113 किलोमीटर लंबे सुंदरबन क्षेत्र में अत्याधुनिक निगरानी प्रणाली की तैनाती के लिए रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) से मदद मांगी है। खुफिया जानकारी के आधार पर यह कदम उठाया गया है, जिसमें संकेत मिले हैं कि आतंकी संगठन सुंदरबन के नदी और समुद्री मार्गों के जरिए भारत में घुसपैठ की कोशिश कर सकते हैं। यह मांग पिछले महीने गृह मंत्रालय के नॉर्थ ब्लॉक स्थित कार्यालय में सीमा प्रबंधन सचिव की अध्यक्षता में हुई एक उच्चस्तरीय तटीय सुरक्षा समीक्षा बैठक के दौरान उठाई गई। यह बैठक ऑपरेशन सिंदूर के तुरंत बाद हुई थी।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद अवैध बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान कर उन्हें 30 दिनों के भीतर वापस भेजने का अभियान तेज कर दिया गया है। इसके तहत बीएसएफ ने निगरानी बढ़ा दी है और अब वह संवेदनशील इलाकों में ड्रोन, रडार, सैटेलाइट इमेजरी और सीसीटीवी जैसी तकनीक का उपयोग बढ़ाना चाहता है, ताकि सीमा में मौजूद खामियों को दूर किया जा सके। रिपोर्ट के मुताबिक, गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया, बीएसएफ ने लगभग 113 किलोमीटर के सुंदरबन क्षेत्र को तकनीकी निगरानी के दायरे में लाने का प्रस्ताव दिया है। इस संबंध में इसरो और डीआरडीओ के साथ मिलकर एक संभाव्यता अध्ययन भी किया जा चुका है। डीआरडीओ को स्थल पर जाकर उपयुक्त तकनीकी समाधान की पहचान करने को कहा गया है, लेकिन फिलहाल वह गुजरात के क्रीक क्षेत्र में चल रहे एक अन्य प्रोजेक्ट को पूरा करने के बाद ही सुंदरबन का काम शुरू करेगा।

इस समय बीएसएफ के पास आठ फ्लोटिंग बॉर्डर आउटपोस्ट और 96 पेट्रोल बोट्स हैं, जिनके माध्यम से निगरानी की जा रही है। इसके अलावा, बीएसएफ ने पश्चिम बंगाल सरकार से सात निगरानी टावरों के लिए जमीन की मांग की है और जंगल विभाग के साथ साझा पोस्ट की संख्या बढ़ाने का भी प्रस्ताव रखा है। अभी तीन ऐसे को-लोकेटेड पोस्ट पहले से मौजूद हैं। हालांकि गृह मंत्रालय के एक अधिकारी के मुताबिक, पश्चिम बंगाल के वन और राजस्व विभाग के अधिकारियों की ओर से बार-बार किए गए सर्वेक्षणों में भाग नहीं लेने के चलते प्रक्रिया धीमी पड़ गई है। पिछले महीने की बैठक में बीएसएफ महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी और पश्चिम बंगाल सरकार के प्रतिनिधि मौजूद थे। बैठक में राज्य सरकार ने सात साइटों का सर्वेक्षण करने की जानकारी दी और दो स्थानों पर जमीन देने की सहमति जताई।

बहू ऐश्वर्या को नामी-बेनामी संपत्ति में से कुछ ना देना पड़े इसलिए लालू यादव ने सारा नाटक रचा

केंद्रीय मंत्री मांझी का दावा, शादी के समय एक लड़की के साथ लिव-इन में थे तेज प्रताव

पटना(एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) प्रमुख और पूर्व सीएम लालू यादव के परिवार में चल रहे बवाल पर बयानबाजी जारी है। केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने दावा किया है कि तेज प्रताप यादव को परिवार से निकालने का नाटक इसलिए हुआ है, ताकि ऐश्वर्या राय से तलाक की सूरत में परिवार की नामी-बेनामी संपत्ति को बचा सके। मांझी ने चौंकाने वाला दावा किया है कि जब ऐश्वर्या से शादी हो रही थी, तब भी तेज किसी लड़की के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में थे।

बात दें कि अनुष्का यादव से संबंध की बात तेज यादव के फेसबुक पेज से छपने और डिलीट होने के बाद ज्यादातर बड़े नेताओं ने चुप्पी साध रखी है, लेकिन मांझी ने पहले दिन से ही लालू परिवार पर आक्रामक दिख रहे है।

केंद्रीय मंत्री मांझी ने आरोप लगाया है कि यह सब लालू यादव का नाटक है, ताकि कोर्ट जब फैसले में गुजारा भत्ता देने की बात कहे तब तेज प्रताप यादव कह सकें कि उनके पास देने के लिए कोई संपत्ति नहीं है। मांझी ने कहा कि तेज प्रताप को निकालना एक नाटक है जो कि लालू यादव के दारा रचा गया है। उन्होंने दावा किया कि ऐश्वर्या की शादी हुई थी, तब भी तेज प्रताप किसी लड़की के साथ लिव-इन रिलेशन में रह रहा था। ये जानते भर में शादी किए, गलती ये हुई। दूसरी बात, शादी जब हुई मारपीट करके, बेइज्जत करके घर से एश्वर्या को निकाला गया, जो लड़की दारोगा प्रसाद राय की पोती थी। ऐसा जघन्य काम उस समय किया गया था, लालू प्रसाद का जमीर कहां चला गया था। इसलिए हम नाटक कहते हैं।÷

मांझी ने कहा कि अभी कोर्ट में कुछ फैसला आने वाला है। संभवतः ऐश्वर्या के पक्ष में आएगा। इस आशंका से इन्होंने इसका रास्ता निकाला। जो भी उनके नाम से नामी-बेनामी संपत्ति है, उसमें ज्यादा हिस्सा ना मिले ऐश्वर्या को, या नहीं मिले, इसलिए उन्हें घर और परिवार से निकाल दिया गया। तेज प्रताप यादव मामले में मांझी ने पहले भी आरोप लगाए हैं लेकिन लालू परिवार ने कोई जवाब नहीं दिया है। संभावना है कि ताजा दावे पर भी चुप्पी कायम रहे।

भ्रष्टाचार के नए केस में मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन से एसीबी करेगी पूछताछ

नई दिल्ली (एजेंसी)। एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) करीब 2,000 करोड़ रुपये के घोटाले में आम आदमी पार्टी के मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन पूछताछ करेगी। एसीबी ने अप्रैल महीने में सिसोदिया और जैन के खिलाफ दिल्ली सरकार के स्कूलों में अत्यधिक लागत पर क्लासरूम्स के निर्माण में भ्रष्टाचार के संबंध में एफआईआर दर्ज की थी। इसके बाद दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने एसीबी से इस मामले में पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल की भूमिका की भी जांच करनी की मांग की थी।

एसीबी ने बताया कि दिल्ली सरकार के स्कूलों में क्लासरूम्स के निर्माण में कथित भ्रष्टाचार को लेकर एसीबी ने दिल्ली के पूर्व मंत्रियों और 'आप'नेताओं मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन को समन जारी किया है। सत्येंद्र जैन को 6 जून को एसीबी दफ्तर में बुलाया गया है, जबकि मनीष सिसोदिया को 9 जून को पेश होने को कहा गया है। एसीबी की ओर से अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली 'आप'सरकार के कार्यकाल में 12,748 क्लासरूम्स के निर्माण में कथित भ्रष्टाचार को लेकर 'आप'नेताओं मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के खिलाफ अप्रैल महीने में एफआईआर दर्ज की गई थी।एसीबी ने एक बयान में कहा था कि यह घोटाला करीब 2,000 करोड़ रुपये का है और इसमें अत्यधिक बढ़ी हुई दरों पर ठेके दिए गए थे। बयान के अनुसार, कथित तौर पर हर क्लासरूम का निर्माण 24.86 लाख रुपये में किया गया, जो सामान्य लागत से लगभग पांच गुना अधिक है। बयान के मुताबिक, यह कार्य कथित तौर पर आप से जुड़े ठेकेदारों को सौंपा गया था। इसमें कहा गया है कि सक्षम प्राधिकारी से भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम की धारा 17-ए के तहत अपेक्षित मंजूरी मिलने के बाद मामला दर्ज किया गया।

केदारनाथ धाम में भारी बारिश और बर्फबारी से यात्रा रोकी गई, श्रद्धालुओं को रास्ते में रोका

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के केदारनाथ धाम में भारी बारिश और बर्फबारी के चलते गौरीकुंड-केदारनाथ पैदल मार्ग पर खतरा बढ़ गया है। पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बारिश और बर्फबारी की वजह से पथरीली चट्टानों के गिरने की घटनाएं सामने आई हैं। इसके चलते चारधाम यात्रा के तहत केदारनाथ की यात्रा को फिलहाल रोक दिया गया है।

जानकारी अनुसार गौरीकुंड से केदारनाथ तक के 19 किमी पैदल मार्ग पर जगह-जगह भूस्खलन और चट्टानें गिरने की घटनाएं हुई हैं। डीडीआरएफ व एसडीआरएफ की टीमें तैनात हैं और रास्ते के अवरोधों को दूर करने और साफ करने का काम जारी है। श्रद्धालुओं को अस्थायी शिविरों में रोका गया है, प्रशासन ने अलाव और चिकित्सा की व्यवस्था की है।

मौसम विभाग ने 6 जून तक के लिए अलर्ट जारी किया है, तेज गर्जना व बारिश की चेतावनी दी गई है। केदारनाथ घाटी में तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई, इस प्रकार ठंड ने फिर से दस्तक दे दी है।

बाबा केदार की नगरी बर्फ की चादर में लिपटी

केदारनाथ धाम की पहाड़ियां इस वक्त बर्फ की सफेद चादर में लिपटी हुई हैं। धुंध व कोहरा लगातार बना हुआ है। ऐसे में श्रद्धालु जहां एक ओर भोलेनाथ के दर्शन का सौभाग्य पा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उन्हें प्राकृतिक आपदा जैसी कठिन परिस्थितियों का भी सामना करना पड़ रहा है।

इसे देखते हुए प्रशासन ने अपील की है कि मौसम को देखते हुए और अपडेट लेकर ही यात्रा करें। उत्तराखंड मौसम विभाग और प्रशासन ने चारधाम यात्रियों से अपील की है कि यात्रा पर निकलने से पहले मौसम का अपडेट जरूर लें। भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में सतर्कता बरतें। प्रशासन द्वारा दी गई निर्देशों का पालन करें और सहयोग करें।

मौसम विभाग ने उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर, पिथौरागढ़, टिहरी, देहरादून, पौड़ी और अल्मोड़ा जिलों में अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना जताई गई है। इसी के साथ कहा गया है चारधाम यात्रा पर निकले श्रद्धालुओं के लिए यह समय सावधानी बरतने का है। प्राकृतिक आपदा के जोखिम के बीच सुरक्षा सर्वोपरि है। प्रशासन राहत कार्य में लगा है और जैसे ही मौसम साफ होगा, यात्रा फिर से बहाल कर दी जाएगी।

जीत के बाद भावुक होकर विराट बोले, मेरा दिल और आत्मा आरसीबी के साथ

मैंने अपनी जवानी और अनुभव सहित सभी टीम को दिया

अहमदाबाद (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत के बाद उसके पूर्व कप्तान विराट कोहली अपनी भावनाओं पर काबू नहीं कर पाये। विराट ने कहा कि मेरा दिल बेंगलुरु के साथ है, मेरी आत्मा बेंगलुरु के साथ है। ये कहते हुए उनकी आंखों से आंसू निकल गये। तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने जैसे ही 20वें ओवर की अंतिम गेंद फेंकी। जीत की खुशी में विराट की आंखों से आंसू गिरने लगे। अपना चेहरा उन्होंने छिपा लिया। आरसीबी के खिलाड़ियों ने उन्हें घेरे लिया। 18 नंबर की जर्सी का खिताबी इंतजार 18 साल में जो समाप्त हुआ था। तीन फाइनल हारने के बाद आरसीबी पहली बार कोई फाइनल जीती है। ये क्षण विराट पर भरोसा करने वाली एक टीम के लिए भावुक करने वाला था। पिछले 18 साल की असफलता और निराशा इस एक पल में कहीं पीछे हो गई। एक खिताब जिसकी तलाश में विराट थे वह आंखिरकार उन्हें मिल ही गया। विराट ने जीत के बाद कहा कि ये ट्रॉफी जितनी मेरे लिए है, उनती ही प्रशंसकों के लिए भी कीमती है। पिछले 18 साल हो गए हैं। मैंने इस टीम को अपनी जवानी, अपना अनुभव सहित सब कुछ दिया है। मैंने हर सीजन में इसे जीतने की कोशिश की थी। अंत में ये जीत हासिल करना विश्वसनीय एहसास है। इसी कारण आखिरी गेंद फेंके जाने के बाद मैं भावनाओं से भर गया था। मैंने इसके लिए अपनी पूरी ताकत लगा दी थी यह एक अनौखा अनुभवी है। विराट के एकमात्र क्रिकेटर हैं, जो लगातार एक ही टीम से खेल रहे हैं।

बिहार के राजगीर में तेजी से बन रहा अंतराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना में राजगीर अंतराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण का काम तेजी से चला रहा है। इससे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मैचों के आयोजन के साथ-साथ स्थानीय खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण और खेल सुविधाएं मिल सकेंगी। ये स्टेडियम अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है। इसमें अत्याधुनिक हाई मास्ट लाइट, साउंड सिस्टम, वाटर सप्लाई, फायर अलार्म, फायर फाइटिंग सिस्टल भी लगाया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्टेडियम में लाल मिट्टी से बनाई जा रही 6 क्रिकेट पिचों का कार्य पूरा हो गया है। पिच पर घास लगाने का कार्य भी पूर्ण कर लिया गया है। काली मिट्टी से 7 क्रिकेट पिच बनाई गई है। पिच पर घास लगाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसके अलावा जनरल स्टैंड ईस्ट, जनरल स्टैंड वेस्ट तथा रिवर्स पवेलियन का सिविल वर्क भी तेजी से पूरा किया जा रहा है। सिविल वर्क के साथ ही फिनिशिंग वर्क भी किया जा रहा है। क्रिकेट स्टेडियम में मुख्य पवेलियन का कार्य पूरा हो गया है। इस काम देख रही कंपनी के अनुसार अगले दो महीने में क्रिकेट स्टेडियम को मैच के लिए तैयार कर लिया जाएगा। वहीं जिला प्रशसन की ओर से कहा गया है कि समय समय सीम में इस काम को पूरा करने के आदेश दिये गये हैं। साथ ही कहा कि उन्होंने कहा कि सभी मानकों को ध्यान में रखकर कार्य पूर्ण किये जाने की शर्त रखी गयी है। मैदान पर घास लगाने का कार्य शुरू हो गया है, जिसे जल्द पूर्ण करने के लिए कहा गया है। बारिश होने पर मैदान से पानी निकासी हेतु ड्रेनेज प्रणाली विकसित की गई है। मैदान के बाहरी एरिया को विकसित करने के लिए समुचित निदेश दिया गया। इस स्टेडियम का निर्माण 72843 वर्गमीटर भूखण्ड पर किया जा रहा है जिसमें 40,000 दर्शकों के बैठने की व्यवस्था होगी। स्टेडियम अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा, जिसमें खिलाड़ियों के लिए विशेष पवेलियन, कोच और मैनेजर के लिए बैठने की विशिष्ट व्यवस्था, वीवीआईपी अतिथियों के लिए विशेष स्टैंड शामिल होगा।

भारतीयों की मालिकाना हक वाली विदेशी टी-20 टीमों में पाकिस्तानी खिलाड़ियों की भरमार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने 2008 के मुंबई आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ क्रिकेट संबंधों पर रोक लगा रखी है। न सिर्फ द्विपक्षीय श्रृंखलाएं रुकी हैं, बल्कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भी पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा हुआ है। इसके पीछे मुख्य कारण पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकी गतिविधियां हैं, जिनके चलते भारतीय जनभावनाएं भी इसी दिशा में दृढ़ रही हैं। हालांकि, इसी दौरान एक विरोधाभासी तस्वीर विदेशी टी-20 लीगों में देखने को मिल रही है, जहां भारतीय उद्यमियों और कंपनियों के स्वामित्व वाली टीमों में पाकिस्तानी या पाक मूल के खिलाड़ियों की बड़ी संख्या में भागीदारी देखी जा रही है।

संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और वेस्टइंडीज में चल रही टी-20 लीग प्रतियोगिताओं में कई ऐसी टीमें हैं जिनके मालिक भारतीय हैं, लेकिन उनके खिलाड़ी पाकिस्तानी हैं। इनमें रिलायंस समूह, अदाणी समूह, कोलकाता नाइट राइडर्स के मालिक शाहरुख खान, और यहां तक कि माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नाडेला तक शामिल हैं। इन टीमों में कई खिलाड़ी ऐसे हैं जो कभी पाकिस्तान के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल चुके हैं या फिर हाल ही में दूसरे देशों की नागरिकता लेकर वहां की लीगों में खेल रहे हैं।

उदाहरण के लिए, यूएई में इंटरनेशनल लीग टी-20 की टीम 'अबूधाबी नाइट राइडर्स' में अली खान और इबरार अहमद जैसे खिलाड़ी हैं, जबकि इसके मालिक हैं कोलकाता नाइट राइडर्स के भारतीय स्वामित्व वाले कारोबारी। 'एमआई एमिरेट्स', जो रिलायंस ग्रुप की टीम है, उसमें मोहम्मद वसीम, जहूर खान जैसे पाक मूल के खिलाड़ी खेल रहे हैं। अमेरिका की मेजर लीग क्रिकेट में 'सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स' टीम के पास हैरिस रऊफ और हसन खान जैसे सीधे पाकिस्तान से आने वाले खिलाड़ी हैं। इस टीम के मालिक वेंकी हरिनारायण और आनंद राजारमन जैसे भारतीय मूल के लोग हैं। सिएटल ऑरकॉस टीम में पाकिस्तान मूल के शायन जहांगीर हैं और यह टीम माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नाडेला के स्वामित्व में है। टेक्सॉस सुपर किंग्स, लॉस एंजेल्स नाइट राइडर्स, और वॉशिंगटन फ्रीडम जैसी टीमों में भी पाकिस्तानी खिलाड़ी सक्रिय रूप से शामिल हैं, जिनके मालिक भारतीय हैं। यह स्थिति ऐसे समय में सामने आ रही है जब भारत और पाकिस्तान के संबंध बेहद संवेदनशील हैं और राष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तानी क्रिकेट से दूरी बनाई गई है।

लीग क्रिकेट के प्रति आकर्षित होकर समय से पहले संन्यास ले रहे खिलाड़ी

-आने वाले समय में क्लब कल्चर हावी होगा

मम्बई (एजेंसी)। जिस प्रकार ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल और दक्षिण अफ्रीका के हेनरिक क्लासेन ने टी20 लीग में खेलने अचानक ही अंतराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। उससे ये संकेत मिल रहे हैं कि भविष्य में क्रिकेट में भी क्लब कल्चर आयेगा। मैक्सवेल और क्लासेन से पहले भी कई अन्य खिलाड़यों ने भी ऐसा ही किया है। इसमें वेस्टइंडीज के सबसे अधिक खिलाड़ी हैं। इससे वेस्टइंडीज की टीम बेहद कमजोर हो गयी क्योंकि दिग्जज खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम की जगह लीग क्रिकेट को प्राथमिकता देने लगे। खिलाड़ियों इस बदलाव के पीछे व्यक्तिगत प्राथमिकताएं, वित्तीय लाभ, और खेल की बढ़ती व्यावसायिकता शामिल हैं। पहले वेस्टइंडीज के खिलाड़ी ही देश के बजाए फ्रेंचाईजी क्रिकेट को अधिक वरीयरता दे रहे था पर अब इनमे कई और देशों के खिलाड़ी भी शामिल होने लगे हैं। न्यूजीलैड के अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन सहित कई खिलाड़ियों ने केन्द्रीय अनुबंध देने से हंकार कर दिया है।

हाल के एक सर्वेक्षण के अनुसार विभिन्न देशों के 60 फीसदी सवे अधिक प्रमुख खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को छोड़कर केवल घरेलू फ्रेंचाइजी लीगों में खेलने पर विचार कर रहे हैं. इसका मुख्य कारण लीगों में बेहतर वित्तीय अवसर और कम समय की प्रतिबद्धताएं हैं। इसके

परिणामस्वरूप, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की प्राथमिकता में कमी और लीगों की बढ़ती लोकप्रियता देखी जा रही है। जिस उम्र में खिलाड़ी सन्यांस ले रहे है वो खेल में सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए सबसे अच्छा माना जाता रहा है।

खिलाड़ियों का यह रुझान अब फ्रेंचाइजी क्रिकेट की तरफ ज्यादा बढ़ रहा है जो खेल की संरचना में बदलाव का संकेत देता है कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह प्रवृत्ति जारी रहती है, तो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की प्रतिष्ठा प्रभावित होगी। न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज रॉस टेलर ने इसपर चिन्ता जतायी है, और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर जोर दिया है पर किसी भी देश के पास अपने स्टार खिलाड़ियों को रोकने के लिए कोई योजना नहीं है। खिलाड़ियों को केवल सेंट्रल अनुबंध देकर नहीं रोका जा सकता. मैक्सवेल और क्लासेन दोनों ने के संन्यास के कारण अलग-अलग हैं, लेकिन दोनों ही खिलाड़ियों ने अपने करियर के इस मोड़ पर व्यक्तिगत और पेशेवर कारणों का हवाला दिया है। .

क्लासेन ने 33 वर्ष की आयु में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया। उन्होंने पारिवारिक समय और बेहतर कार्य-जीवन संतुलन को प्राथमिकता दी है हालांकि वह फ्रेंचाइजी लीगों में खेलते रहेंगे। इससे जो संकेत मिल रहे है कि उनको अगले कुछ सालों के लिए फ्रेंचाइजी क्रिकेट के तमाम अनुबंध हैं। मैक्सवेल ऑस्ट्रेलिया के इस ऑलराउंडर ने वनडे क्रिकेट से संन्यास लिया, ताकि वह 2026 टी20 विश्व कप पर ध्यान केंद्रित कर सकें और फ्रेंचाइजी लीगों में अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा कर सकें। एविन लुईस वेस्ट इंडीज के इस बल्लेबाज ने 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया और फ्रेंचाइजी क्रिकेट में सक्रिय रहने का फैसला किया। उन्होंने विभिन्न लीगों में खेलते हुए अपनी पहचान बनाई है.

श्रीलंकाई तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा ने 2021 में फ्रेंचाइजी क्रिकेट से संन्यास लिया था पर वह आईपीएल खेल रहे हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने 2021 में रिटायरमेंट लिया वह भी लीग क्रिकेट में सक्रिया हैं। फ्रेंचाइजी क्रिकेट में सक्रिय रहे कम उम्र में जिस तरह से तमाम क्रिकेटर इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायर हो रहे है उससे एक संकेत तो साफ है कि फ्रंचाइज क्रिकेट का बाजार और उसकी चमक धमक खिलाड़ियों को बेहतर भविष्य के संकेत दे रही है और सभी देशों के क्रिकेट बोर्ड उन्हें रोक नहीं पा रहें हैं।

क्रिकेटर कुलदीप यादव ने कानपुर की वंशिका से की सगाई, लखनऊ में हुआ समारोह

लखनऊ । भारतीय टीम के गेंदबाज कुलदीप यादव ने बुधवार को लखनऊ में सगाई कर ली है। कुलदीप ने कानपुर की ही रहने वाली वंशिका से सगाई की है। वंशिका कानपुर के लाल बंगला इलाके की रहने वाली हैं। वह ऑस्ट्रेलिया में जॉब करती हैं और उनके पिता एलआईसी में अधिकारी हैं। कुलदीप और वंशिका की सगाई लखनऊ स्थित होटल में हुई, जिसमें क्रिकेटर रिंकू सिंह भी शामिल हुए। 14 दिसंबर 1994 को कुलदीप यादव का जन्म उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में हुआ। वह नौ साल की उम्र तक यहीं रहे। इसके बाद पढ़ाई और प्रशिक्षण के लिए पिता परिवार सहित कानपुर शिफ्ट हो गए थे। कुलदीप पहले एक तेज गेंदबाज बनना चाहते थे। लेकिन कोच की सलाह पर स्पिन गेंदबाज बने।

आईपीएल ट्रॉफी के साथ बेहद खुश नजर आये विराट और अनुष्का

अहमदाबाद। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरू (आरसीबी) के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में खिताबी जीत के बाद भावुक हो गये और दौड़कर अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा के पास पहुंच गये। इस दौरान अनुष्का भी भावुक नजर आयीं क्योंकि टीम ने जो सपना देखा था वह अब साकार हुआ। विराट एक दशक से अधिक समय से इस जीत का इंतजार कर रहे थे। साल 2008 से ही वह आरसीबी से खेल रहे थे इस दौरान टीम तीन बार फाइनल में भी पहुंची थी पर उसे खिताब नहीं मिल पाया था। इस बार ट्रॉफी के साथ विराट और अनुष्का बेहद खुश दिखे।

इंग्लैंड ने वनडे सीरीज में वेस्टइंडीज का किया सुपड़ा साफ

द ओवल (इंग्लैंड) (एजेंसी)। गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद जेमी स्मिथ (64), बेन डकेट (58), जो रूट (44) और जॉश बटलर (नाबाद 41) रनों की शानदार पारियों की बदौलत इंग्लैंड ने वर्षा बाधित तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को डीएलएस पद्धति से 62 गेंदें शेष रहते 7 विकेट से विकेट से हरा कर तीन मैचों की श्रृंखला भी 3-0 से अपने नाम कर ली है।

केनिंगटन ओवल स्टेडियम में मंगलवार देर रात खेले गये मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज ने शरफेन रदरफोड (70), गुडाकेश मोती (63) की अर्धशतकीय पारियों और अल्जारी जोसेफ(41), केसी कार्टी (29), ब्रैंडन किंग (16) और जस्टिन ग्रीव्स (12) रनों के योगदान से 40 ओवरों में नौ विकेट पर 251 रनों का स्कोर खड़ा किया। मैच दो बार प्रभावित हुआ।

यातायात जाम की समस्या के कारण वेस्टइंडीज की टीम टॉस के लिए तय समय पर मैदान तक नहीं पहुंच सकी। इसके बाद बारिश के कारण 90 मिनट का खेल प्रभावित हुआ। इंग्लैंड की ओर से आदिल रशीद ने तीन विकेट लिए। साकिब महमूद, ब्राइडन कार्स और मैथ्यू पॉट्स को दो-दो विकेट मिले।

इंग्लैंड के लिए जेमी स्मिथ और बेन डकेट की सलामी जोड़ी ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए पहले विकेट के लिए 93 रन जोड़े। सातवें ओवर में गुडाकेश मोती ने जेमी स्मिथ 28 गेंदों में (64) रन को बोल्ड कर वेस्टइंडीज को पहली सफलता दिलाई। इंग्लैंड का दूसरा विकेट बेन डकेट 46 गेंदों में (58) रन के रूप में गिरा। उन्हें 16वें ओवर में रॉस्टन चेज ने लुईस के हाथों कैच आउट कराया। जो रूट (44) का शमारा जोसेफने शिकार किया।

इंग्लैंड ने 29.4 ओवर में तीन विकेट पर 246 रन बनाकर डीएलएस पद्धति से मैच 62 गेंदें शेष रहते सात विकेट से जीत लिया। कप्तान हैरी ब्रूक (26) और जॉस बटलर (41) रन बनाकर नाबाद रहे। इंग्लैंड ने डकवर्थ लुईस पद्धति से 40 में जीत के लिए 246 रन के लक्ष्य का लक्ष्य मिला जिसे उसने 62 गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया। वेस्टइंडीज की ओर से अल्जारी जोसेफ, गुडाकेश मोती और रॉस्टन चेज ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

विराट की भूमिका निभाना चाहते थे शाहरुख

मुम्बई । हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली विश्व के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में शामिल रहे हैं। विराट ने पहले ही टी20 से संन्यास ले लिया था और अब वह केवल एकदिवसीय खेलते हैं। विराट की फिटनेस ओर उसके खेल के प्रशंसक भारत ही नहीं दुनिया भर मे हैं। बॉलीवुड अभिनेता और आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) टीम के मालिक शाहरुख खान भी विराट के एक बड़े प्रशंसक हैं। शाहरुख का एक पुराना बयान वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह फिल्म में विराट की भूमिका निभाना चाहेंगे। शाहरुख एक ऐसे अभिनेता तो अपने को भूमिका में पूरी तरह से ढ़ाल लेते हैं। शाहरुख स्पोर्ट्स ड्रामा भी कर चुके हैं। साल 2017 में 'जब हैरी मेट सेजल' के प्रोमोशनल इवेंट में जब उन्से पू छा गया था कि अगर उन्हें किसी क्रिकेटर का रोल निभाना हो तो वे किसे चुनेंगे। तब उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के कहा था 'विराट कोहली।' तब शाहरुख ने मुस्कुराते हुए कहा, 'मैं कोहली की तरह जुनून से भरा खिलाड़ी बनना चाहूंगा। उनकी एनर्जी और दबाव में शानदार प्रदर्शन करने की क्षमता मुझे हैरान करती है।' यह सुनकर फिल्म की हीरोइन और तब विराट की गर्लफ्रेंड रहीं अनुष्का शर्मा ने मजेदार अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने कहा, ' इसके लिए आपको दाढ़ी तो बढ़ानी पड़ेगी।' इस पर शाहरुख ने अपने अंदाज में जवाब दिया, मैंने 'हैरी मेट सेजल' में दाढ़ी रखी थी न! मैं तो बिल्कुल विराट जैसा लग रहा था।.'इस जवाब से वहां सभी लोग हंसने लगे थे।

भारतीय क्रिकेट के नए 'कैप्टन कूल' के तौर पर उभरे श्रेयस अय्यर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स के 10 साल के खिताबी सूखे को पिछले बरस खत्म करने वाले श्रेयस अय्यर पंजाब किंग्स को पहली बार इंडियन प्रीमियर लीग चैंपियन बनाने से बेहद मामूली अंतर से चूक गये लेकिन उन्होंने खुद को एक ऐसे कप्तान के रूप में स्थापित कर लिया है जिसकी भारत को शायद भविष्य में आवश्यकता हो सकती है।

महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा के बाद अय्यर आईपीएल के तीन फाइनल में पहुंचाने वाले तीसरे कप्तान बन गए हैं। उनकी यह उपलब्धि बेहद ही खास है क्योंकि उन्होंने पिछले पांच सालों में तीन अलग-अलग फ्रेंचाइजी टीमों के साथ ऐसा किया है। यह एक ऐसे खिलाड़ी के लिए काफी बड़ी बात है, जिसे इस महीने इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में जगह नहीं मिली है। केकेआर ने पिछले साल उन्हें जाने दिया क्योंकि फ्रेंचाइजी को बड़ी रिटेंशन फीस (टीम में बनाये रखने की रकम) की उनकी मांग उचित नहीं लगी।

केकेआर का यह नुकसान पंजाब किंग्स के लिए एक बड़ा फायदा साबित हुआ। पंजाब की टीम को 30 वर्षीय खिलाड़ी के रूप में एक समझदार और जज्बे वाला कप्तान मिला। ऐसा कप्तान जो करियर के उतार-चढ़ाव को शालीनता से संभालना जानता हो। शुभमन गिल की कप्तानी की परीक्षा अभी नहीं हुई है। उन्हें इंग्लैंड में कप्तान के रूप में कड़ी परीक्षा का सामना करना पड़ेगा। लेकिन तीन जून 2025 के बाद श्रेयस संतोष अय्यर को भारतीय क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ कप्तानों में से एक माना जाना चाहिए।

अय्यर की कप्तान में अपनी समझदारी के साथ करिश्माई महेंद्र सिंह धोनी जैसा संयम और विराट कोहली जैसा आक्रामक रवैया के साथ मुंबई के उनके सीनियर रोहित शर्मा की तरह एक 'बिंदास मुंबईकर' के मिश्रण का पुट दिखा। आईपीएल के फाइनल में मंगलवार को आरसीबी के खिलाफ छह रन की हार के बावजूद अय्यर के आत्मविश्वास में कोई कमी नहीं दिखी। उन्होंने निराशा को पीछे छोड़ते हुए कहा, 'अभी काम आधा बाकी है, हमें अगले साल जीतना है।'

इंग्लैंड के लिए टीम में उनका न होना पंजाब किंग्स के कोच रिकी पोंटिंग के लिए भी काफी हैरानी भरा रहा। पोंटिंग ने आईपीएल प्लेऑफ से पहले 'आईसीसी रिव्यू' में कहा था, 'मैं वास्तव में बहुत दुखी था लेकिन उसने इसे बहुत अच्छे से स्वीकार कर लिया है और वह आगे बढ़ गया है। उनकी आंखों में हर बार अच्छा प्रदर्शन करने की ललक रहती है। वह हर मैच को जीतना चाहता है और एक सर्वश्रेष्ठ कप्तान के रूप में विकसित होना चाहता है।%

दो बार के विश्व कप विजेता कप्तान का यह बयान काफी मायने रखता है। पोंटिंग ने यह बात सिर्फ अपने फ्रेंचाइजी कप्तान का समर्थन करने के लिए नहीं कही। इन दोनों के बीच काफी पुराना रिश्ता है। साल 2017 में जब गौतम गंभीर ने बीच सत्र में कप्तानी छोड़ने का फैसला किया, तो पोंटिंग की सलाह पर ही अय्यर दिल्ली आईपीएल फ्रैंचाइजी के कप्तान बने। दिल्ली की फ्रेंचाइजी 2020 में आईपीएल फाइनल में पहुंची जो इस टीम की इस लीग की अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि है। चोट के कारण ब्रेक लेने के बाद कैपिटल्स ने फैसला किया कि वे उन्हें टीम में बरकरार रख ऋषभ पंत को खोने का जोखिम नहीं उठा सकते हैं। पंत उस समय के उभरते सितारे थे और कप्तानी की महत्वाकांक्षा रखते थे।

अय्यर इसके बाद केकेआर के कप्तान बने और टीम 2024 में चैंपियन बनी। अय्यर को हालांकि इस खिताब का ज्यादा श्रेय नहीं मिला क्योंकि उन्होंने टीम की जरूरतों के हिसाब से निचले क्रम में बल्लेबाजी की। टीम के तत्कालीन मेंटोर और भारतीय टीम के मौजूदा कोच गंभीर को रणनीतिक सूझबूझ के लिए ज्यादा श्रेय मिला। कप्तान के सहज निर्णय और समझदारी की गयी तैयारियों पर किसी का ज्यादा ध्यान नहीं गया। कोई खिलाड़ी हालांकि दो अलग-अलग फ्रेंचाइजी टीमों का नेतृत्व करते हुए अलग-अलग प्रबंधन, अलग-अलग विचारधारा और खिलाड़ियों की बदलती सूची के साथ लगातार दो सत्र में फाइनल तक पहुंचता है तो उसकी रणनीतिक प्रतिभा को लंबे समय तक अनदेखा नहीं किया जा सकता है।

अय्यर को आखिरकार इस सत्र में उसका हक मिल गया। इससे यह भी साफ हो गया कि मैच की परिस्थितियों की समझ और रणनीति पर उसकी पकड़ बेजोड़ थी। उन्हें पता था कि जिन पिचों पर उछाल की कमी है, वहां काइल जैमीसन की 'बैक ऑफ द लेंथ' गेंदें कारगर साबित होंगी और यह मास्टरस्ट्रोक साबित हुआ।

गुजरात टाइटन्स के खिलाफ उन्होंने विजयकुमार विशाख से बार-बार वाइड यॉर्कर डालने को कहा और यह कारगर साबित हुआ। क्वालीफायर दो में मुंबई इंडियंस के खिलाफ उन्होंने उनसे नकल बॉल से अपनी गेंदों की गति कम करने को कहा और यह कारगर भी रहा। उन्होंने दिखाया है कि रोहित शर्मा के वनडे से संन्यास लेने के बाद उन्हें टीम की कप्तानी के लिए मजबूत उम्मीदवार माना जा सकता है। वह 50 ओवर के प्रारूप में बेहतरीन बल्लेबाज हैं और जब टी20 या टेस्ट की बात आती है तो वह जल्द ही दोनों प्रारूपों की टीम में जगह बनाने का माद्दा रखते है।'

खिताब जीतते ही बदला आरसीबी का नारा

अहमदाबाद । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) कि मेहनत आंखिरकार रंग लायी और रजत पाटीदार की कप्तानी में उसने आईपीएल खिताब अपने नाम किया। फाइनल में आरसीबी ने पहले खेलते हुए 190 रन बनाए। इसके जवाब में पंजाब किंग्स की टीम 184 रन ही बना पाई। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब की पारी लड़खड़ा गयी और उसके हाथ से मैच फिसल गया। वहीं आरसीबी ने बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजी में भी प्रभावी प्रदर्शन किया। जीत के साथ ही आरसीबी का नारा भी बदल गया। अब तक जहां कन्नड़ भाषा में ई साला कप नमदे (इस बार कप हमारा होगा) का नारा टीम के खिलाड़ी लगाते थे। वहीं ट्रॉफी जीतते ही टीम का नारा भी बदल गया। इसी लिए टीम के कप्तान रजत पटीदार ने जीत के बाद कहा, ई साला कप नमदु। वहीं टीम के साथ लंबे समय तक रहे एबी डिविलियर्स ने नया नारा ई साल कप नमदु पोस्ट किया है। कन्नड़ में ई साला कप नमदु का मतलब होता है।] इस साल कप हमारा हुआ। आरसीबी ने इस सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना अलग ही अंदाज दिखाया। फाइनल में उसने एक रोमांचक मुकाबले में पंजाब किंग्स को 7 रनों से हराया। इससे पहले भी आरसीबी तीन बार खिताबी मुकाबले में पहुंची थी पर तीनो ही बार उसे हार का सामना करना पड़ा था। वहीं साल 2008 में आईपीएल शुरु होने के 17 साल के बाद वह विजेता बनी है।।

कौन बनेगा हेरा फेरी 3 का बाबूराव? परेश रावल करेंगे वापसी या पंकज त्रिपाठी निभाएंगे आइकॉनिक किरदार

फिल्म हेरा फेरी 3 इन दिनों लगातार चर्चा में बनी हुई है। परेश रावल के फिल्म छोड़ने के बाद कई तरह के विवाद सामने आए और मामला अब कानूनी कार्रवाई तक पहुंचने की स्थिति में है। इसी दौरान खबरें आ रही हैं कि परेश रावल एक बार फिर फिल्म में वापसी कर सकते हैं। साथ ही यह भी दावा किया जा रहा है कि पंकज त्रिपाठी उन्हें रिप्लेस कर सकते हैं। हालांकि, मेकर्स की ओर से अब तक इस पूरे मामले पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि अक्षय कुमार और परेश रावल ने फिल्म को लेकर चल रहा विवाद सुलझा लिया है। अब जल्द ही एक्टर फिर से फिल्म का हिस्सा बन सकते हैं। इसके अलावा हाल ही में परेश रावल के जन्मदिन पर सुनील शेट्टी ने भी उन्हें बर्थडे विश किया था। वहीं, कई यूजर्स का यह भी मानना है कि IPL 2025 के फाइनल मैच के दिन 'हेरा फेरी 3' का अनाउंसमेंट टीजर जारी किया जाएगा। इसी वजह से कुछ लोग परेश रावल के फिल्म में लौटने की खबरों को केवल एक मार्केटिंग स्ट्रेटेजी भी मान रहे हैं।

पंकज त्रिपाठी बनेंगे बाबूराव?

इसी बीच पंकज त्रिपाठी की एक तस्वीर सामने आई है, जिसमें उन्हें बाबूराव के सिग्नेचर हेयरस्टाइल और मोटे चश्मे में देखा जा सकता है। सफेद धोती और बनियान पहने हुए पंकज का लुक गोल्ड चेन और ब्रेसलेट के साथ पूरा होता है, जो इस किरदार की खास पहचान हैं। इसके बाद से ही कयास लगाए जाने लगे हैं कि क्या पंकज त्रिपाठी, परेश रावल की जगह बाबूराव का किरदार निभा सकते हैं। यूजर्स भी इस पोस्ट में जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। कुछ फैंस का मानना है कि पंकज त्रिपाठी अपनी दमदार एक्टिंग और मजेदार अंदाज से इस किरदार को नया रूप दे सकते हैं।

हेरा फेरी 3 विवाद पर अक्षय कुमार ने दिया था रिएक्शन

फिल्म हेरा फेरी 3 में काम करने से परेश रावल ने इनकार कर दिया है। हाल ही में 'हाउसफुल 5' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में अक्षय कुमार पहुंचे थे। इस दौरान जब उनसे परेश रावल के हेरा फेरी 3 छोड़ने को लेकर सवाल किया गया, तो एक्टर ने जवाब में कहा, 'पहले तो उनके बारे में कुछ भी गलत कहना बंद करिए। मैं पिछले 30-32 सालों से उनके साथ काम करता आ रहा हूं। हम बहुत अच्छे दोस्त हैं। वह एक शानदार एक्टर हैं और मैं उनकी बहुत इज्जत करता हूं। मुझे नहीं लगता कि यह वह जगह है जहां इस मुद्दे पर बात की जाए। यह एक गंभीर मामला है और जो कुछ भी होना है, वह कोर्ट में तय होगा। इसलिए मैं यहां इस पर कुछ भी कहने के पक्ष में नहीं हूं।

एक्ट्रेस नहीं बनना चाहती थीं रश्मिका मंदाना, कामयाबी के बाद मन में आता है ये ख्याल

साउथ की बेहतरीन एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने बॉलीवुड में रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल से शुरूआत की। इसके बाद उनकी कई फिल्में काफी हिट रही हैं। हालांकि वह साउथ में पहले ही अपनी अदाकारी से लोगों का दिल चुकी हैं। आज फिल्म इंडस्ट्री पर राज करने वाली अभिनेत्री रश्मिका ने हाल ही में बताया है कि उनका सपना अभिनेत्री बनने का नहीं था।

रश्मिका ने बताया पूरी ईमानदारी से कहूं तो, मेरे बचपन में मैंने कभी भी अभिनेत्री बनने के बारे में नहीं सोचा होगा क्योंकि यह कभी मेरे प्लान का हिस्सा नहीं था। लेकिन मैं अपनी जिंदगी में पीछे मुड़कर देखती हूं तो मैं अपने आपको किस्मतवाली समझती हूं। मैंने वह कदम उठाया जिससे मेरी जिंदगी सकारात्मक तरीके से बदली।

कुछ भी स्थाई नहीं सब बदल सकता है

रश्मिका ने लगातार सफलता के बाद दबाव को मैनेज करने के बारे में कहा जब सफलता और उम्मीदों के दबाव को संभालने की बात आती है, तो मैं पूरी तरह से जानती हूं कि जीवन में कुछ भी स्थायी नहीं है। मैंने पहले भी कहा है, एक दिन आपके पास सब कुछ हो सकता है, और अगले ही दिन यह बदल सकता है।

मिला परिवार का साथ

रश्मिका ने आगे बताया कि उन्हें अपने परिवार से बहुत सपोर्ट मिला। इससे उन्हें चुनौतियों के सभी उतार-चढ़ावों को आसानी से पार करने में मदद मिली। उन्होंने कहा मैं अपने परिवार, करीबी दोस्तों और अपनी टीम का सपोर्ट पाकर अच्छा मससूर करती हूं। यह मुझे लगातार उन चीजों से जुड़े रहने में मदद करते हैं जो वास्तव में मायने रखती हैं। इसलिए जब मैं असल में कामयाबी के लम्हों का आनंद लेती हूं तो मैं इसे विनम्रता के साथ स्वीकार करती हूं।

रश्मिका का वर्कफ्रंट

आपको बता दें कि रश्मिका मंदाना को आखिरी बार फिल्म छावा और सिकंदर में देखा गया था। फिलहाल उनके पास कई फिल्में हैं। वह जल्द ही थामा, कुबेर और पुष्पा 3 - द रैम्पेज में नजर आएंगी।

ऑस्कर विजेता निर्देशक की हॉलीवुड फिल्म से डेब्यू करेंगी दिशा पाटनी

बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी अब हॉलीवुड में अपनी हॉट अदाओं का जलवा बिखेरनी को तैयार हैं। वो ऑस्कर विजेता निर्देशक की फिल्म से हॉलीवुड में अपने डेब्यू को तैयार हैं। दिशा पाटनी सुपरनेचुरल एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'होलीगार्ड्स' से हॉलीवुड में अपना डेब्यू करने को तैयार हैं। इस फिल्म का निर्देशन ऑस्कर विजेता निर्देशक केविन स्पेसी कर रहे हैं। खास बात ये है कि केविन इस फिल्म के जरिए लगभग 20 सालों के बाद निर्देशन की दुनिया में वापसी कर रहे हैं। फिल्म की अधिकांश शूटिंग मैक्सिको में हुई है। फिल्म में डॉल्फ लुंडग्रेन, टायरेस गिब्सन और ब्रायना हिल्डेब्रांड जैसे कई इंटरनेशनल स्टार्स नजर आएंगे।

इस वजह से टला 'द ट्रेटर्स' में करण-जेनिफर का कमबैक

हाल ही में मीडिया में खबरें आई थीं कि पॉपुलर एक्टर्स करण सिंह ग्रोवर और जेनिफर विंगेट करण जौहर के नए रियलिटी शो द ट्रेटर्स में एक साथ नजर आ सकते हैं। ये खबर उनके फैंस के लिए खास थी क्योंकि दोनों की जोड़ी बहुत पसंद की जाती है। हालांकि, शो से जुड़े एक करीबी सूत्र ने हमें बताया कि ऐसा होने वाला नहीं है। अब शो के ट्रेलर में दोनों के नजर न आने से इस बात की पुष्टि भी हो गई।

वाइल्ड कार्ड एंट्री के लिए अप्रोच किया गया था

सूत्र कि मानें तो मेकर्स ने करण सिंह ग्रोवर और जेनिफर विंगेट दोनों को वाइल्ड कार्ड एंट्री के लिए अप्रोच किया था। उन्होंने बताया, शुरू में करण ने शो के लिए हामी भर दी थी, जेनिफर ने भी सहमति दी थी। लेकिन जेनिफर ने अपनी फीस बहुत ज्यादा मांगी, जो मेकर्स के बजट से बाहर थी। ऐसा उन्होंने जानबूझकर किया।

जेनिफर की फीस बनी रुकावट

सूत्र ने आगे बताया, शो के कई हिस्सों की शूटिंग पहले ही पूरी हो चुकी थी। दोनों को बाद में जोड़ने की कोशिश हुई, लेकिन फीस को लेकर बात नहीं बनी, इसलिए उनकी एंट्री नहीं हो सकी।

'द ट्रेटर्स' किस तरह का शो है?

द ट्रेटर्स एक इंटरनेशनल रियलिटी शो का इंडियन वर्जन है। इस शो को करण जौहर होस्ट कर रहे हैं। इसमें 20 जाने-माने लोग एक साथ खेलेंगे। खेल में कुछ लोग बाकी लोगों को धोखा देंगे और गेम से बाहर करने की कोशिश करेंगे। शो में दिमाग से खेलने वाले टास्क, दोस्ती और धोखा देखने को मिलेगा।

ये सेलिब्रिटीज लेंगे हिस्सा

शो का ट्रेलर आज जारी हो गया है। धोखे और चालबाजियों से भरपूर इस रियलिटी शो के पहले सीजन में 20 सेलिब्रिटीज हिस्सा ले रहे हैं। इनमें अंशुला कपूर, अपूर्वा, आशीष विद्यार्थी, एलनाज नौरोजी, हर्ष गुजराल, जन्नत जुबैर, जान्वी गौर, जैस्मिन भसीन, करण कुंद्रा, लक्ष्मी मांचू, महीप कपूर, मुकेश छाबड़ा, निकिता लूथर, पूरव झा, रफ्तार, राज कुंद्रा, साहिल सलाथिया, सुधांशु पांडे, सूफी मोतीवाला और उर्फी जावेद शामिल हैं।

सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म निकिता रॉय की नई रिलीज डेट घोषित

सोनाक्षी सिन्हा की बहुप्रतीक्षित थ्रिलर फिल्म निकिता रॉय की नई रिलीज डेट सामने आ गई है। इस खुशखबरी को खुद सोनाक्षी सिन्हा ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है।

क्या है निकिता रॉय की नई रिलीज डेट

सोनाक्षी सिन्हा ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट के जरिए फिल्म की नई रिलीज डेट का एलान किया है। सोनाक्षी ने फिल्म के पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा, अपने कैलेंडर पर निशान लगा लें! हमारी रोमांचक थ्रिलर निकिता रॉय की अब नई रिलीज डेट आ गई है! 27 जून 2025 को बड़े पर्दे पर रहस्य का पर्दाफाश होते देखें!

फिल्म निकिता रॉय

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा इस फिल्म में मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। यह एक मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म है। सोनाक्षी के भाई कुश सिन्हा इस फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं। पहले यह फिल्म 30 मई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी। लेकिन अब यह फिल्म 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में सोनाक्षी के अलावा परेश रावल, सुहैल नय्यर और अर्जुन कपूर नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण निकी भगनानी, विक्की भगनानी और अंकुर टकरानी कर रहे हैं।

स्पिरिट' कंट्रोवर्सी में दीपिका के सपोर्ट में आए अजय देवगन

डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म स्पिरिट ने सोशल मीडिया और इंडस्ट्री में एक नई बहस छेड़ दी है। फिल्म में काम करने के लिए दीपिका पादुकोण ने आठ घंटे की शिफ्ट की मांग की थी, जिसके बाद उन्हें अनप्रोफेशनल बताते हुए फिल्म से निकाल दिया गया। अब इस मुद्दे पर अजय देवगन और काजोल ने बिना किसी का नाम लिए अपनी राय दी है। काजोल की फिल्म मां के ट्रेलर लॉन्च के दौरान जब अजय और काजोल से पूछा गया कि इंडस्ट्री में नई मांएं आठ घंटे की शिफ्ट की मांग कर रही हैं। क्या आपको लगता है कि ये डिमांड सही है? क्या फिल्ममेकर्स को ये पसंद आएगा? काजोल ने इस सवाल पर हंसते हुए कहा, मुझे यह बात पसंद आई कि आप कम काम कर सकते हैं। तभी अजय ने बीच में ही काजोल को रोका और माफी मांगते हुए कहा- ऐसा नहीं है कि यह लोगों को पसंद नहीं आ रहा है। अधिकांश ईमानदार फिल्ममेकर्स को इससे कोई समस्या नहीं होगी। इसके अलावा, मां होने के नाते आठ घंटे काम करना, ज्यादातर लोग आठ-नौ घंटे की शिफ्ट में काम करने लगे हैं। यह पर्सन टू पर्सन डिपेंड करता है और मुझे लगता है कि इंडस्ट्री में अधिकांश लोग इसे समझते हैं। ये सारा विवाद उस वक्त शुरू हुआ, जब ऐसी खबरें आईं कि फिल्म स्पिरिट में काम करने के लिए दीपिका ने कई मांगे रखी हैं। इनमें आठ घंटे की शिफ्ट, मोटी फीस, प्रॉफिट में हिस्सा और तेलुगु में डायलॉग न बोलने जैसी डिमांड शामिल थी। बता दें कि दीपिका 2024 के सितंबर में मां बनी हैं। प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ में बैलेंस बनाने के लिए वो हफ्ते में बस 5 दिन आठ घंटे की शिफ्ट चाहती थीं। एक्ट्रेस की इन सारी मांगों से डायरेक्टर संदीप खुश नहीं थे। दीपिका की मांगों को अनप्रोफेशनल बताते हुए फिल्म में उन्हें तृप्ति डिमरी से रिप्लेस कर दिया गया है।

नेपोटिज्म पर बोलीं पलक जायसवाल, हेरा फेरी 3 विवाद पर दिया बड़ा बयान

सीरीज 'क्रैकडाउन' में साकिब सलीम के साथ काम करने के बाद अभिनेत्री पलक जायसवाल हाल ही में रिलीज हुई सीरीज 'ब्लैक व्हाइट एंड ग्रे' में दमदार किरदार में नजर आईं। इस सीरीज के बाद से उन्हें काफी एप्रिशिएट किया जा रहा है। अभिनेत्री आज अपना जन्मदिन मना रही हैं। ऐसे में अमर उजाला डिजिटल ने उनसे खास बातचीत की जिसमें एक्ट्रेस ने अपने करियर समेत कई मुद्दों पर बात की।

भोपाल की रहने वालीं पलक मायानगरी में अपनी एक्टिंग के दम पर पहचान बनाना चाहती हैं। जब उनसे पूछा गया कि उनका एक्टिंग का सफर कैसे शुरू हुआ तो उन्होंने कहा, 'मैं बचपन से एक्टर नहीं बनना चाहती थी। छोटी उम्र में ही मैं मुंबई आ गई थी में मुंबई आ गई थी और मैंने स्कूलिंग यहीं से की। बचपन से डांस अच्छा करती थी तो मम्मी-पापा को यकीन था कि एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अच्छा करूंगी। पापा ने पृथ्वीराज थिएटर में ज्वाइन करा दिया और वही से एक्टिंग में दिलचस्पी आ गई।'

कैसे शुरू हुआ एक्टिंग का सफर?

पलक ने अपनी जर्नी पर बात करते हुए बताया, 'पृथ्वीराज थिएटर ज्वाइन करने के बाद मैंने कुछ प्ले किए। इसके बाद मुझे कुछ ऐड करने का भी मौका मिला। इसके बाद कोविड आ गया जिसके बाद कुछ सीरीज और गाने आए मेरे लेकिन 'ब्लैक व्हाइट एंड ग्रे' मेरे करियर का अब तक का सबसे बड़ा मौका है।'

नेपोटिज्म पर पलक ने क्या कहा?

इंटरव्यू में पलक से जब नेपोटिज्म को लेकर पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि एक आउटसाइडर होने के नाते वैसा कुछ फेस करना पड़ता है। इस पर एक्ट्रेस ने कहा, 'नेपोटिज्म हर चीज में हैं। ये स्टार किड्स की ब्लेसिंग है, उनकी फैमिली से उन्हें वो मिला है। लेकिन हमेशा हर किसी के लिए ये काम नहीं करता है। सभी लोग आलिया भट्ट के जैसे ही वो नाम नहीं कर पाते जो उनके पेरेंट्स कर पाए हैं। तो सभी का संघर्ष और टैलेंट ही आखिर में उन्हें आगे लेकर जाता है।'

आलिया जैसे रोल करना चाहती हैं पलक

जब पलक से पूछा गया कि वो एक एक्टर के तौर पर किसे अपना आइडियल मानती हैं तो उन्होंने बताया कि हॉलीवुड एक्ट्रेस मेरिल स्ट्रीप उनकी फेवरेट एक्ट्रेस हैं। उन्होंने कहा, 'जब वो किसी भी किरदार में होती हैं तो उसमें ढल जाती हैं, इसलिए मैं बिल्कुल उनकी तरह ही बनना चाहती हूं। और मैं उम्मीद करती हूं कि आलिया भट्ट के दमदार किरदारों के जैसे ही मैं भी काम करूं।'

परेश रावल ने की सीरीज की तारीफ

पलक की सीरीज 'ब्लैक व्हाइट एंड ग्रे' की तारीफ करते हुए हाल ही में दिग्गज एक्टर परेश रावल ने एक्स पर पोस्ट किया था कि ऐसे कॉन्टेंट को सिनेमा में बढ़ावा मिलना चाहिए। इस पर अभिनेत्री ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'हम उनकी फिल्में देखकर बड़े हुए हैं, उनके बाबूराव के किरदार को देखकर लगता है कि काश मैं भी ऐसी ही एक्टिंग कर पाऊं। तो उनके रिएक्शन से एक हिम्मत मिली कि ऐसे ही बस अच्छा काम करती जाऊं।'

तिग्मांशु धूलिया के साथ काम करने का अनुभव

इंटरव्यू में पलक ने अपने को-स्टार मयूर मोरे और दिग्गज एक्टर तिग्मांशु धूलिया के साथ काम करने का एक्सपीरियंस भी शेयर किया। उन्होंने बताया, 'मयूर के साथ काम करना मेरे लिए सौभाग्य की बात थी क्योंकि उसने इतना अच्छा काम किया हुआ है। तिग्मांशु सर की मैं बहुत इज्जत करती हूं। उनके साथ काम करने का अनुभव काफी अच्छा रहा। वो एक सीन में हमारे साथ शूट कर रहे थे। उनके आने से सेट पर सभी बहुत सीरियसली काम करते थे।'

सेलेब्स की सुरक्षा पर बोलीं एक्ट्रेस?

इसके अलावा एक्ट्रेस से जब पूछा गया कि इन दिनों स्टार्स की सुरक्षा का मुद्दा काफी उठाया जा रहा है तो इस पर एक्ट्रेस ने कहा, 'ये बिल्कुल अच्छा समय नहीं चल रहा है, आज के टाइम पर हर किसी को सुरक्षा की जरूरत है। सेलेब्स का नाम है इसलिए उनके बारे में पता चल जाता है लेकिन सड़क पर चल रहीं महिला भी सुरक्षित नहीं है। तो कहीं ना कहीं हम सभी को ही सुरक्षा की जरूरत है।'

वर्कफ्रंट पर एक्ट्रेस पलक जायसवाल

फिल्म 'क्रैकडाउन' से अभिनय करियर की शुरुआत करने वालीं एक्ट्रेस पलक जायसवाल हाल ही में क्राइम सीरीज 'ब्लैक व्हाइट एंड ग्रे' में नजर आई हैं। उनकी एक्टिंग की काफी तारीफ हो रही है। इसके अलावा उनकी झोली में कुछ और एक्साइटिंग प्रोजेक्ट्स भी हैं जिनके बारे में अभिनेत्री फिलहाल कुछ बता नहीं सकतीं। हालांकि हम उम्मीद करते हैं कि वो इसी तरह से अपने काम के जरिए कामयाबी की सीढ़ियां चढ़ती रहें।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 2442 42 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।